■ वर्ष-22 ■ अंक-338
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

दिल्ली (राष्ट्रीय संस्करण)

■ शनिवार ■ 24 जनवरी 2026

माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी
विक्रम संवत्-2082

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

पीएम ने दक्षिण भारत को दी बड़ी सौगात, कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का किया शिलान्यास और उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी राज्य केरल के अपने दौरे के तहत तिरुवनंतपुरम में 3 अमृत भारत एक्सप्रेस और एक पैसेंजर ट्रेन समेत कुल चार नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान पीएम मोदी ने पी स्वनिधि क्रेडिट कार्ड भी लॉन्च किया और कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन किया। केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच तिरुवनंतपुरम पहुंचे पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने हाल ही में तिरुवनंतपुरम मेयर के तौर पर चुने गए वीवी राजेश को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने कहा कि केरल के विकास के लिए केंद्र सरकार की कोशिशों को बढ़ावा मिला है और आज केरल में रेल कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। उन्होंने तिरुवनंतपुरम को देश का स्टार्टअप हब बनाने की पहल के बारे में भी बताया। कार्यक्रम के दौरान केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने तीन नई अमृत भारत ट्रेनों, नागरकोइल-मंगलुरु, तिरुवनंतपुरम-तांबरम, तिरुवनंतपुरम-चारलापल्ली, और त्रिशूर और गुरुवायूर के बीच एक नई पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इनमें नागरकोइल-मंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस, तिरुवनंतपुरम-तांबरम अमृत भारत एक्सप्रेस, तिरुवनंतपुरम-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और त्रिशूर और गुरुवायूर के बीच एक नई पैसेंजर ट्रेन शामिल है। इन सर्विस के शुरू होने से केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच लंबी दूरी और रीजनल कनेक्टिविटी काफी बेहतर होगी, जिससे यात्रियों के लिए यात्रा ज़्यादा सस्ती, सुरक्षित और समय पर हो सकेगी। बेहतर कनेक्टिविटी से पूरे इलाके में टूरिज्म, व्यापार, शिक्षा, रोज़गार और सांस्कृतिक लेन-देन को मजबूत बढ़ावा मिलेगा।

एंटरप्रेन्योरशिप हब की रखी नींव

साइंस और इनोवेशन के फील्ड में पीएम मोदी ने तिरुवनंतपुरम में इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप हब की नींव रखी। यह हब लाइफ साइंसेज और बायो-इकोनॉमी पर फोकस करेगा, आयुर्वेद जैसे ट्रेडिशनल नॉलेज सिस्टम को मॉडर्न बायोटेक्नोलॉजी, सस्टेनेबल पैकेजिंग और ग्रीन हाइड्रोजन के साथ जोड़ेगा, और स्टार्टअप बनाने, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और ग्लोबल कोलेबोरेशन को बढ़ावा देगा। यह रिसर्च को मार्केट-रेडी सॉल्यूशन और एंटरप्राइज में बदलने के लिए एक प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करेगा। प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम में नए पूजापुरा हेड पोस्ट ऑफिस का भी उद्घाटन किया।

हमें बंगाल और उसके गर्व को कभी नहीं करना चाहिये विस्मृत: केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा

भारत की सांस्कृतिक समृद्धि में बंगाली समाज का योगदान है महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिद्धि बाला बोस लाइब्रेरी ने 100 गौरवशाली वर्षों की स्मृतियों को सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। इस एसोसिएशन ने बंगाली समाज और जबलपुर की कला, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षण प्रदान किया है। सिटी बंगाली क्लब में स्वयं नेताजी का आना इस क्षेत्र के लिए गौरवशाली क्षण रहा। सिटी बंगाली क्लब ने बालिका शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। राज्य सरकार, स्कूल एवं उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए सदैव क्लब के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक समृद्धि में बंगाली समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बंकिमचंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम् की रचना कर देशवासियों को एक सूत्र में पिरोया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 का कलंक मिटा और आज जम्मू-कश्मीर भारत का मोर मुकुट बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रकृति में बसंत का मौसम, ऋतुओं का राजा है। उन्होंने शुक्रवार को बसंत पंचमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रसन्नता और गर्व का विषय है कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन कर कहा कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज के माध्यम से भारत की आजादी में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिद्धि बाला बोस लायब्रेरी एसोशिएशन शताब्दी वर्ष के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने सिद्धी बाला बोस लायब्रेरी एसोसिएशन के शताब्दी वर्ष समापन समारोह पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने सिटी बंगाली क्लब में शताब्दी स्तंभ का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह अन्य अतिथि भी मौजूद रहे।

देश की आजादी में बंगाल की अहम भूमिका: श्री नड्डा

केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं रसायन मंत्री श्री जेपी नड्डा ने बसंती पंचमी की बधाई के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन कर कहा कि नेताजी वर्ष 1939 में जबलपुर आए थे। भारत रत्न से सम्मानित पूर्व राष्ट्रपति स्व. प्रणब मुखर्जी भी सिटी बंगाली क्लब से जुड़े थे। हमें बंगाल और उसके के गर्व को कभी भूलना नहीं चाहिए। देश की आजादी में बंगाल की अहम भूमिका रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वंते मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर संसद में विशेष चर्चा करवाई। राष्ट्रगान जन गण मन को भी पूर्ण सम्मान दिया जा रहा है। दिल्ली में कर्तव्य पथ पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित की गई है। बंगाली भाषा को क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा दिया गया है। यूनेस्को में दुर्गा पूजा को शामिल कराया गया है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर के शांति निकेतन को भी यूनेस्को ने विश्व धरोहर के तौर पर मान्यता दी है।

जयशंकर ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ की बातचीत

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ बातचीत में मजबूत व्यापार, आवाजाही और सुरक्षा साझेदारी के जरिये वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता लाने की जरूरत पर जोर दिया। यह बैठक 27 जनवरी को प्रस्तावित भारत-ईयू शिखर सम्मेलन को ध्यान में रखकर की गई। 27 जनवरी को होने वाली बैठक में दोनों पक्षों की तरफ से व्यापार समझौते के निष्कर्षों की घोषणा करने और समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद का मुकाबला करने वाली एक नई सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। भारत और ईयू छात्रों, मौसमी श्रमिकों, शोधकर्ताओं और उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही सुविधाजनक बनाने और अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने व्यापक गतिशीलता ढांचे पर एक समझौते की योजना बना रहे हैं। दोनों पक्ष 'सूचना समझौते की सुरक्षा' पर एक और समझौता करने की तैयारी भी कर रहे हैं। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ईयू के सदस्य देशों

के राजदूतों के साथ अपनी बैठक में उन्होंने 'दुनिया की वर्तमान स्थिति के बारे में बात की जिसमें अस्थिरता अब एक आम बात हो गई है।

विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने एक ऐसे मजबूत भारत-ईयू सहयोग पर जोर दिया जो लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम से बचाएगा और मानवीय प्रतिरोध और आपदा राहत एवं अन्य सहायता प्रदान कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आश्वस्त करेगा। उन्होंने कहा कि भारत-ईयू को 'मजबूत व्यापार, गतिशीलता और सुरक्षा साझेदारी के जरिए वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करने की जरूरत है। जयशंकर ने कहा कि वह यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की नई दिल्ली यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। दोनों गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि भी होंगे। उन्होंने कहा कि ईयू के नेतृत्व की नई दिल्ली यात्रा की तैयारियां अच्छी तरह चल रही हैं लेकिन चुनौतियां भी हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को पेश करेंगी बजट

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करेंगी। पिछले बजट में नई टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री कर बड़ी राहत दी गई थी, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार प्रत्यक्ष कर में बहुत बड़े बदलाव की संभावना कम है। हालांकि, मध्यम वर्ग को उम्मीद है कि सरकार मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) या अन्य रियायतों के जरिए कुछ अतिरिक्त लाभ दे सकती है।बजट 2026 में सरकार का मुख्य फोकस हेल्थकेयर, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस सेक्टर पर रहने की उम्मीद है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए टियर-2 शहरों में नए मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों की स्थापना के साथ-साथ प्रिवेंटिव केयर पर निवेश बढ़ाया जा सकता है। वहीं, रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए नई वंदे भारत ट्रेनों, फ्रेट कॉरिडोर और ट्रैक विस्तार पर बड़े आवंटन की संभावना जताई जा रही है।

यूपी समेत कई राज्यों में ठंड के बीच हो सकती है बारिश, अलर्ट जारी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड के बीच कुछ हिस्सों समेत भारत के कई राज्यों में बारिश हो सकती है। आईएमडी ने शुक्रवार को अलर्ट जारी किया है। वहीं इस सप्ताह उत्तर पश्चिम के राज्य में न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है, जिसके चलते ठंड बढ़ सकती हैं। वहीं दिल्ली में भी ठंड की संभावनाएं हैं। इधर, जम्मू और कश्मीर में बर्फबारी फिर से शुरू हो गई। आईएमडी ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान दो दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वहीं इसके बाद चार दिनों में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ने के आसार हैं। उत्तर-पश्चिम में मुख्य रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख गिने जाते हैं। मौसम विभाग ने बताया कि 23 जनवरी को हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हल्की बारिश हो सकती है। ऐसा ही मौसम जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में देखा जा सकता है। वहीं, 23 और 24 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश हो सकती है। 23 जनवरी को हरियाणा, उत्तराखंड, चंडीगढ़, दिल्ली और यूपी में तेज हवाएं और गरजन हो सकती है। साथ ही इस दौरान ओलावृष्टि भी दर्ज की जा सकती है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, करईकल में 25 और 26 जनवरी, केरल और माहे में 26 जनवरी को बारिश होने की संभावना है। 25 और 26 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में सुबह और रात के समय घना कोहरा छा सकता है। राजस्थान में 24 से 26 जनवरी तक उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में 24 जनवरी तक घना कोहरा बने रहने के आसार हैं। 23 जनवरी को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में शीत लहर चल सकती है। बता दें गुरुवार को वैष्णो देवी मंदिर क्षेत्र में पहली बर्फबारी दर्ज की गई। इसके चलते त्रिकुटा पहाड़ी पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। कश्मीर घाटी के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग और कुछ अन्य क्षेत्रों में गुरुवार को बर्फबारी हुई, वहीं श्रीनगर और अन्य मैदानी इलाकों में तेज हवाएं चलीं। अधिकारियों के मुताबिक उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में गुरुवार देर शाम से बर्फबारी शुरू हो गई। गुलमर्ग में कुछ इंच बर्फ जमा हो गई है। मौसम विभाग ने कहा था कि घाटी के मैदानी इलाकों समेत व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। शिमला में करीब तीन महीने बाद शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई। हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में भी बर्फबारी हो रही है, जिनमें राज्य का एक अन्य लोकप्रिय पर्यटन स्थल मनाली भी शामिल है। स्थानीय मौसम केंद्र ने भारी बर्फबारी और बारिश का पूर्वानुमान लगाया है।

बंगाली हिन्दू गौरव एवं राष्ट्रीय पराक्रम उत्सव आज चोपना में होगा आयोजित

- विवेकानंद जयंती से लेकर सुभाष चंद्र बोस जयंती तक हुए आयोजन
- लोकभारती के वरिष्ठ पदाधिकारी भी कार्यक्रम में रहेंगे मौजूद

समय जगत, भोपाल। प्रकृति-पर्यावरण संस्कार संस्कृति तथा समग्र लोकहित के सभी कार्यों में निरंतर सक्रिय संघ प्रेरित संगठन लोकभारती से सम्बद्ध राष्ट्रभक्त बंग्लाभाषी समाज के संगठन बंगो लोकभारती के तत्वावधान में बंगाली हिन्दू गौरव एवं राष्ट्रीय पराक्रम उत्सव का आयोजन आज 24 जनवरी, शनिवार को दोपहर 1 बजे से मेला ग्राउण्ड, नरनारायण मंदिर प्रांगण में, चोपना, जिला- बैतूल में किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. देबज्योति गाईन राष्ट्रीय अध्यक्ष बंगो लोकभारती द्वारा की जायेगी। वहीं कार्यक्रम के विभिन्न विशिष्ट अतिथियों द्वारा भी संबोधित किया जाएगा। सांगठनिक मार्गदर्शन का दायित्व विजय बहादुर सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष लोक भारती, श्रीकृष्ण चौधरी राष्ट्रीय सम्पर्क प्रमुख लोक भारती एवं अशोक त्रिपाठी केन्द्रीय पदाधिकारी लोकभारती द्वारा निभाया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उक्त अवसर पर प्रदेशभर के बंगलाभाषी, हिन्दू समाज का एकत्रीकरण यह विलक्षण अवसर है। इसको लेकर स्थानीय बंगलाभाषी हिन्दू समाज विगत एक माह से व्यापक तैयारियों में लगा हुआ है। एकत्रीकरण में सम्मिलित होने वाले सभी राष्ट्रवादी बंगलाभाषी हिन्दू समाज के लोगों के ठहरने, रुकने और भोजन की व्यवस्था भी स्थानीय परिवारों द्वारा की गई है।

कांग्रेस की पंजाब इकाई को केन्द्रीय नेतृत्व ने दिये आवश्यक निर्देश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेतृत्व ने साफ़ कर दिया कि पंजाब में नेतृत्व परिवर्तन का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। साथ ही पार्टी ने नेताओं को सख्त हिदायत दी है कि संगठन से जुड़े किसी भी मुद्दे पर सार्वजनिक मंचों, मीडिया या सोशल मीडिया में बयान न दें। ऐसे सभी विषय केवल पार्टी के आंतरिक मंचों और उच्च नेतृत्व के समक्ष ही रखे जाएं। प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल ने आलाकमान से दखल की अपील की।

लिहाजा, राज्य के बड़े नेताओं को दिल्ली तलब कर लिया गया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। इसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, पंजाब प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल, वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। पंजाब से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा, राणा के.पी. सिंह, विजय इंदर सिंगला और डॉ. अमर सिंह ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में पंजाब के सभी वरिष्ठ नेताओं ने अपने-अपने विचार रखे।

भारतीय दूतावास पर खालिस्तानी समर्थकों ने किया हमला

जाग्रेब। कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के बाद अब खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने पूर्वी यूरोप में अपनी हिंसक गतिविधियों का विस्तार करना शुरू कर दिया है। एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाली घटना में, क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब स्थित भारतीय दूतावास को खालिस्तानी समर्थकों ने अपना निशाना बनाया है। गणतंत्र दिवस से ठीक पहले हुई इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। भारत सरकार ने इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए क्रोएशियाई प्रशासन के समक्ष अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

राम कथा के आयोजन पर भव्य कलश यात्रा में उमड़ा धर्म प्रेमियों का सैलाब , जगह-जगह हुआ पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत

- अजय शुक्ल अज्जू-

समय जगत, मोंठ। (झाँसी) वावन जी महाराज पीठाधीश्वर अयोध्या धाम श्री श्री 1008 महंत वैदेही वल्लभ शरण महाराज की अध्यक्षता में नगर के शीतला धाम प्रांगण में आयोजित श्रीराम कथा के प्रथम दिवस पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें धर्मप्रेमियों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे नगर में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

कलश यात्रा शीतला माता मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई संपन्न हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। हजारों की संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर भक्तिभाव से चलती नजर आईं, वहीं पुरुष श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक प्रितपाल सिंह उर्फ रामजी परिहार एवं उनकी धर्मपत्नी मुख्य यजमान के रूप में कलश यात्रा में अग्रिम पंक्ति में चल रहे थे। भव्य कलश यात्रा में क्षेत्रीय विधायक जवाहरलाल राजपूत, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, भाजपा जिला महामंत्री छत्रपाल सिंह राजपूत, भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष कृष्ण चंद्र तिवारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरदीप सिंह गुर्जर सहित पुष्पेंद्र दुबे, वीरपाल सिंह चौहान, मनोज तिवारी, कपिल मुदगिल, सुरजीत राजपूत, ब्रम्हजीत द्विवेदी, अजय शुक्ल 'अज्जू', दिनेश राजपूत, सतीश चौरसिया, सत्यप्रकाश तिवारी, योगेश त्रिपाठी, रिंकू तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इसके अलावा क्षेत्र के सभी धर्माचार्य एवं साधु-संतों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आज से प्रारंभ हुई श्रीराम कथा की अध्यक्षता श्री श्री 1008 वामन जी पीठाधीश्वर महंत वैदेही वल्लभ शरण जी महाराज द्वारा की जा रही है। राम कथा को लेकर नगर व क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

संचालन वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ल अज्जू ने किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना में रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं : पालिका अध्यक्ष

समय जगत, गुरसराय । नगर समाचार नगर पालिका परिषद गुरसराय के अध्यक्ष जयपाल सिंह उर्फ़राजू चौहान व अपर नगर मजिस्ट्रेट अजय कुमार ने नगरवासियों को अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कुल 768 लाभार्थियों को प्रथम किस्त की एक लाख की धनराशि उपलब्ध करा दी गई है।

अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि योजना के नाम पर किसी भी प्रकार की रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संज्ञान में आया है कि कुछ लोग लाभ दिलाने के नाम पर पैसों की मांग कर रहे हैं, जो पूर्णतः गलत और अवैध है। नगरवासियों से अपील की गई है कि किसी को भी कभी भी पैसा न दें। अपर नजर मजिस्ट्रेट अधिशासी अधिकारी साफ कर दिया कि यदि कोई भी पालिका कर्मी या नागरिक पैसे अथवा रिश्वत खोरी में लिप्त पाया गया तो तत्काल एफआई आर दर्ज करते हुए जेल भेजा जाएगा।

नगर पालिका अध्यक्ष ने दोहराया कि कुछ लोगों द्वारा पालिका की छवि धूमिल करने का प्रयाश किया जा रहा है कभी पालिका के बाबू अधिकारियो के नाम पर तो कभी डूडा के नाम पर पैसे मांगे जा रहे है।जिस पर पालिका कर्मियों से भी तत्काल वैठक कर लापरवाही करने बालो को बाहर का रास्ता तक दिखा देने की बात कही।

वही शिकायत हेतु वरिष्ठ लिपिक सोनू बख्सी को नोडल अधिकारी नामित कर कड़ी निगरानी के निर्देश दिये। यदि किसी व्यक्ति द्वारा रिश्वत की मांग की जाती है तो इसकी तत्काल शिकायत नगर पालिका कार्यालय में वरिष्ठ लिपिक सोनू बक्शी के समक्ष दर्ज कराई जा सकती है।अध्यक्ष ने मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना पूरी तरह पारदर्शी है और पात्र लाभार्थियों को बिना किसी शुल्क के लाभ दिया जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में सजीव मंचन कर बच्चों ने मोह लिया मन

सनफ्रॉन अशोक सिटी में महिला मंडल ने किया विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

समय जगत, झांसी ।अयोध्या में श्री राम मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गुरुवार को महिला मण्डल सनफ्रॉन अशोक सिटी द्वारा सनफ्रॉन अशोक सिटी में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम सुंदर काण्ड व दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया गया।सदर विधायक रवि शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं कालोनी अध्यक्ष विनय उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में दीपोत्सव के बाद पंडित सौरभ सिरोठिया ने सुंदर काण्ड का बखान कर भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

बच्चों पवित्र चौरसिया(श्री राम) काव्य राजपूत (माता सीता)दिगंत तिवारी (लक्ष्मण जी) हर्षवर्धन सिंह (हनुमान जी) सिद्धार्थ राजपूत (जामवंत), ध्रुव सिंह प्रजापति (विभीषण)अनंत जीत नामदेव (लंकेश रावण) ने सजीव मंचन कर मन मोह लिया।

सोलो डांस में यशस्वी त्रिपाठी,अनिका सिंह, अमोलिका नामदेव, रिदिमा प्रजापति ,भव्या जैन, तोषानी चौरसिया,रिदम्बरा तिवारी, आराध्या जैन, प्रियम पांडे ,वहीं राम-सीता संवाद में पुष्पा निरंजन व रश्मि राय,गणेश वंदना में प्रिंसी पटेल, पूनम सिंह , महिला ग्रुप डांस में साधना व्यास ,नीलम सिंह ,अनीता सिंह, रिचा तिवारी, पुष्पा निरंजन, रश्मि राय ,शिल्पी गुप्ता ने प्रस्तुति दी।।मंच संचालन एवं आभार नीतू सिंह व निशी चौरसिया ने किया।

आयोजन मंडल में वंदिता अग्रवाल ,अंकिता गुप्ता सहित समस्त महिला मंडल का सराहनीय योगदान रहा।इस अवसर पर सनफ्रान ग्रुप अधिकारी केके मिश्रा,श्रीमती सुधा मिश्रा ,अरुण पाठक,रेनू पाठक, शैलेन्द्र सिंह,प्रियंका सिंह, कार्यकारिणी समिति में रश्मि राय, अर्पित राय, विक्रम राजपूत, हंसराज बौद्ध ,श्रीमती शिल्पी ,श्रीकांत गुप्ता, सूरत सिंह पटेल , डॉ सतीश चंद्र आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर महिला मंडल द्वारा बच्चों को भेंट रूपी उपहार एवं प्रसाद वितरण किया गया।

सूर्यकांत त्रिपाठी की मनाई जयंती

समय जगत, गुरसरांय। बड्स एन ब्लूम्स स्कूल ने बसंत पंचमी व पराक्रम दिवस मनायारूआज बड्स एन ब्लूम्स स्कूल में बसंत पंचमी एवं पराक्रम दिवस के अवसर पर एक सादे एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बसंत पंचमी के अवसर पर विद्यालय परिसर को पीले पुष्पों से आकर्षक रूप से सजाया गया। बसंत पंचमी के अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफपीले परिधानों में उपस्थित रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक महोदय श्रीमान पुरुषोत्तम पटेल एवं प्रधानाचार्या महोदया श्रीमती अमिता पटेल द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में श्री अनिरुद्ध सिंह ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्या, बुद्धि एवं ज्ञान की देवी माँ सरस्वती का स्मरण कराया। साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाते हुए उनके अदम्य साहस, देशभक्ति एवं बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांत, अनुशासित एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। विद्यालय परिवार द्वारा इस आयोजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को स्मरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री वीरेंद्र सिंह द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का समापन विद्यालय के उपप्रधानाचार्य श्री आशीष खरे द्वारा किया गया। कार्यक्रम शांत, अनुशासित एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। विद्यालय परिवार द्वारा इस आयोजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रभक्ति के मूल्यों का स्मरण किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण कृ बाबिता मैम, पिंकी मैम, बबली मैम, पलक मैम, कनिष्का मैम, अजिला मैम, सुरभि मैम, हिमांशी मैम, नीरज मैम, रामकुमार निरंजन सर, कुलदीप सर, अदीप सर एवं आदि उपस्थित रहे।

राग रागनियों की प्रस्तुति ने किया भाव विभोर

समय जगत, गुरसरांय।नगर के टीचर्स कॉलोनी स्थित मैहर घराने की गुरुकुल पीठ माँ शारदा संगीत विद्यालय में संगीत गुरु पं परशुराम पाठक की अध्यक्षता में सरस्वती माता एवं वाद्ययंत्रों का पूजन अर्चन किया गया इसके बाद राग रागनियों की प्रस्तुति से कलाकारों ने भाव विभोर किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व चेयरमैन पं देवेश पालीवाल ने सरस्वती माता का पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

विशिष्ट अतिथि मेजर अखिलेश पिपरैया, शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष जगमोहन समेले,प्रबंधक मनोहर राव नेवालकर ,राम बाबू शर्मा,पूर्व प्रधानाचार्य के के तिवारी उपस्थित रहे।अति विशिष्ट अतिथि में समाज सेवी रमेश मौर्य,प्रकाश चंद्र जैन,जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र पटेल,ठाकुरदास तिवारी ,अशोक सेन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ शिवानी बबेले ,वर्षा बबेले ने सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचना वरदे वीणा वादिनी वर दे से किया।नेहा पटेल ने गुरु वंदना प्रस्तुत की।शिवानी यादव ने लोक भजन राखै रैयो मोरी खबरिया मोरे राम जू धनी सुनाकर मंत्र मुग्ध किया।

रेखा रानी बंका पहाड़ी ने भजनों की प्रस्तुति देकर मंत्रमुग्ध किया। नाल पर संगत देवेंद्र घोष ने हारमोनियम पर संगत सोनू पटेल ने की। पं सरजू शरण पाठक एवं ब्रजेश बाल्मीकि ने सितार पर यमन राग की मध्यलय की गत प्रस्तुत की। तबले पर संगत विवेक बरसैया ने की।

संचालन सितारवादक पं सरजू शरण पाठक ने किया।अंत मे ब्रजेन्द्र कुमार शर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर अशोक सेन,डॉ सुकदेव व्यास,अखिलेश तिवारी सुट्टा,रामगोपाल शर्मा,वेदिका पटेरिया,पूर्व पार्षद द्वारिका भगत ,नितिन स्वामी,गोविंद बल्लभ खरे,प्रिंस अरजरिया, मिथलेश सेन,राहुल यादव,रविकांत पिपरैया आदि उपस्थित रहे।

राम मंदिर की वर्षगांठ पर हुए कार्यक्रम

समय जगत, गुरसराय । प्राचीन तालाब माता मंदिर पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के अयोध्या में भव्य मंदिर में स्थापित होने की वर्षगांठ पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का पूजन अर्चन एवं अभिषेक किया गया। तथा श्रद्धालुओं द्वारा आरती की गई। इस अवसर पर बोलते हुए ओम मित्र जन कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष प्रसिद्ध नारायण सिंह यादव ने कहा कि भगवान राम का अनुसरण करके युवा पीढ़ी एवं समस्त जन अपने जीवन को उच्च एवं आदर्श बन सकते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने अपने पिताजी के वचनों का पालन करने हेतु 14 वर्ष के लिए वनगमन सहर्ष स्वीकार किया।

इस मौके पर अवधेश सिंह फौजी, विष्णु चौरसिया, श्याम सुंदर जादूगर, विनोद स्वामी, मोहन गर्ग, लक्ष्मी प्रसाद, शत्रुघ्न सिंह बुंदेला ,रघुनाथ सिंह ,राजेश त्रिपाठी खन्ना ,ट्वेंटी पटवा, राजेंद्र सोनी, प्रमोद शुक्ला, अशोक मिश्रा, मनोज, मंटू चौहान, मुकेश चंसौरिया ,साहब सिंह, शशिकांत मिश्रा, पुरुषोत्तम गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु एवं महिलाएं उपस्थित रहे।

सुभाष चंद्र बोस को किया याद

समय जगत, गुरसराय । झांसी 23 जनवरी 2026 श्री महावीर बाल शिक्षा संस्कार केंद्र इंटर कॉलेज गुरसराय में बसंत पंचमी की अवसर पर सरस्वती मां का पूजन किया गया एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तिलक लगाकर उन्हें नमन किया गया ।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य रामकुमार सिंह परिहार प्रवक्ता संजय तिवारी प्रवक्ता आशुतोष शर्मा प्रदीप श्रुति रविकांत पटेल हबीब खान शिवपाल सिंह पूर्वी दीपिका सोम पाराशर रमनश्श्रृंगी ऋषि संदीप साहू आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ।

गुरसराय पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समय जगत, गुरसराय । (झांसी)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन में थाना गुरसराय पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई।

थाना गुरसराय पुलिस ने दिनांक 23 जनवरी 2026 को वांछित अभियुक्त जानकी कोरी पुत्र गणपत कोरी, निवासी ग्राम बकायडी, थाना गुरसराय, जनपद झांसी को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 008/2026, धारा 65(1)/333/351(3) व = पाक्सो एक्ट के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत था।

पुलिस ने अभियुक्त को आडी सड़क प्रतीक्षालय के पास, थाना गुरसराय क्षेत्र से गिरफ्तार किया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस सफल गिरफ्तारी में थाना गुरसराय पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। **गिरफ्तारी टीम में** शैलेन्द्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक, थाना गुरसराय , उ0नि0 महेंद्र भदौरिया, थाना गुरसराय , उ0नि0 सूर्यकांत त्रिपाठी, थाना गुरसराय , का0 870 आशीष द्विवेदी, थाना गुरसराय शामिल रहे। गुरसराय पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिली है।

मोंठ ब्लॉक के कस्बा पूंछ में भाजपा द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित

समय जगत, मोठ। मोठ ब्लॉक के कस्बा पूंछ में भाजपा सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत गरीब एवं असहाय जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरदीप सिंह गुर्जर के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें कुल 150 कंबलों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कानूनगो अनूप खरे, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह सेंगर, अजय शुक्ल 'अज्जू', पूर्व प्रधान रामराजा राजपूत सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर हिरदेश गोस्वामी, साकेत गुप्ता, गोपाल गोस्वामी, आनंद गोस्वामी, ध्रुव राजपूत, राहुल बनिया, उदय भान राजपूत, राहुल राजपूत, अश्विनी दुबे, कुलदीप राजपूत, दिलीप राजपूत आदि ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष गुरदीप सिंह गुर्जर ने कहा कि भाजपा सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह के सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली।

वाणी, विद्या, ज्ञान और संगीत की देवी हैं मां सरस्वती जी : एड. प्रीति संज्ञा

समय जगत, झांसी। एड. प्रीति संज्ञा के चैंबर में आज वंसत पंचमी का उत्सव उत्साह से मनाया गया इस मौके पर अधिवक्ताओं ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन कर पूजन किया। इस अवसर पर एड. प्रीति संज्ञा नें कहा कि वंसत पंचमी का दिवस वाणी विद्या , ज्ञान और संगीत की देवी मां सरस्वती जी के जन्म पर्व के रूप में मनाया जाता है। वाणी और ज्ञान के बिना मनुष्य की श्रेष्ठता अधूरी रहती है। इसकी पूर्ति मां सरस्वती ही करती है। इसलिये मां सरस्वती का पूजन सभी के लिये जरूरी है। उन्होने कहा कि वंसत पंचमी हिन्दू धर्म का पावन व शुभ पर्व होने के साथ - साथ स्वास्थ्य और आयुर्वेद की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस दिन पीले रंग का महत्व रहता है। पीला रंग ऊर्जा ,उत्साह और आशावाद का प्रतीक है। वंसत पंचमी के साथ ही बागों में बाहर ,खेतो में सरसों के पीले खिले फूल , गेहूं की खिली वालिया , आम के पेडो पर बौर , रंग बिरंगी तितलियां , धूप की मामूल गरमाहट , वसंत पंचमी को प्राकृतिक रूप से खुशनुमा बनाती है।

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता रामसेवक अरजरिया, रवीन्द्र पाठक , विजय सिंह ठाकुर , राजेन्द्र दीक्षित , रघुवीर दुवे ,संजय तिवारी , उमा चौधरी , किरन अग्रवाल , गीता , बृजेन्द्र सिंह , मनोज लोधी , अनिल खरे , रविन्द्र यादव , प्रवीण शर्मा , मनोज वर्मा , राजीव सक्सेना , संजीव शर्मा , योगेश मिश्रा , अकित अहिरवार , समाजसेवी मनोज संज्ञा , रजत गोस्वामी समेत बडी संख्या में अधिवक्ताओं ने मां सरस्वती का पूजन कर आशीर्वाद लिया।

आम सूचना

मैं कृष्णाजी पिता हरेश पाटिल निवासी- ग्राम - करजगी , पोस्ट- हलगा , तहसील- खानापुर , जिला- बेलगाम , पिन- 591120 , राज्य- कर्नाटक। मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम कृष्णाजी दर्ज है। सही नाम कृष्णाजी रामू पाटिल है। समान दर्ज हो।

दिल्ली में सुबह हुई झमाझम बारिश बरसात से एक्यूआई में हुआ सुधार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार की सुबह से ही हुई झमाझम बारिश ने मौसम का मिजाज अचानक बदल दिया है। नोएडा सहित आसपास के इलाकों में गरज के साथ तेज हवाएं चल रही हैं, जिससे तापमान में गिरावट आई है। वहीं बारिश की वजह से एक्यूआई का स्तर पर गिर गया है। यह मौसमी बदलाव अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। नोएडा में सुबह से हो रही बारिश की वजह से लोग परेशान हो रहे हैं। बादलों की तेज गरज के साथ शुरू हुई बारिश, सर्दी भी बढ़ी। सुबह के समय बारिश तेज रही लेकिन अब हल्की बारिश हो रही और बादल भी घिरे हुए हैं। बारिश के साथ सर्द हवाएं भी कर रहीं परेशान। नोएडा में सुबह का अधिकतम तापमान 16 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री दर्ज किया गया। नोएडा में सुबह से हल्की बारिश हो रही थी। लगभग 11 बजे के बाद तेज बारिश हुई। जिसकी वजह से सड़कों पर पानी भर गया। ऑफिस आने वाले लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। जलभराव के कारण सड़क पर जाम जैसे हालात बन गए। सेक्टर 73 में पानी सड़क किनारे भर गया। जनवरी का महीना आमतौर पर कड़ाके की ठंड के लिए जाना जाता है, लेकिन इस बार दिन का तापमान सामान्य से काफी ऊपर चल रहा था। शुक्रवार को मौसम में आए इस बदलाव का मुख्य कारण उत्तर भारत पर सक्रिय एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ है। मौसम विभाग ने पहले ही गरज के साथ बौछारें पड़ने की चेतावनी जारी की थी। इस बारिश के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल रही हैं। बारिश के बाद दिन का तापमान गिरकर 19-21 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है, वहीं न्यूनतम तापमान भी 6-8 डिग्री सेल्सियस के आसपास आ जाएगा। इससे ठंड एक बार फिर लौटेगी और सुबह-रात में ठिठुरन बढ़ेगी। पिछले दो दिनों में तापमान सामान्य से लगभग 7 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया था। सुबह और रात का तापमान जहां 8-9 डिग्री सेल्सियस था, वहीं दिन का पारा 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इस असामान्य गर्माहट का मुख्य कारण एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ था, जो हिमालय क्षेत्र में सक्रिय तो हुआ, लेकिन मैदानी इलाकों में उसका प्रभाव सीमित रहा। आमतौर पर ऐसे विक्षोभ बादल, कोहरा और बारिश लाते हैं, लेकिन इस बार बादल कम छाए और आसमान साफ रहा। इससे सूरज की किरणें सीधे जमीन तक पहुंचीं, जिससे दिन में गर्मी का अहसास बढ़ा। मैदानी इलाकों में एंटी-साइक्लोन जैसी स्थिति ने ठंडी हवाओं को रोक रखा था, और हवा में नमी की कमी से घना कोहरा भी नहीं बन पा रहा था। दिल्ली समेत एनसीआर में बारिश की वजह से वायु प्रदूषण यानी एक्यूआई में कमी आई है। वहीं तापमान में भी गिरावट देखी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान में पिछले 24 घंटों में 4.5 से 7.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी देखी गई है, जिसमें 4.2 से 7.1 डिग्री सेल्सियस का पॉजिटिव बदलाव हुआ है।

गाजियाबाद में होगा मेट्रो विस्तार 12.5 किमी का बनेगा ट्रैक

गाजियाबाद। दिल्ली के शिव विहार मेट्रो स्टेशन से मंडोला विहार लोनी तक मेट्रो विस्तार को लेकर बृहस्पतिवार को जीडीए में सचिव विवेक मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में रूट का फिजिकल सर्वे कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि सर्वे के लिए आवास विकास, जीडीए, यूपीसीडा, नगर निगम गाजियाबाद और नगर पालिका लोनी के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की जाएगी। दिल्ली की पिंक लाइन मेट्रो को शिव विहार से गाजियाबाद लोनी के मंडोला तक चलाने के लिए मेट्रो विस्तार की अनुमति पिछले साल जीडीए की ओर से डीएमआरसी को दी जा चुकी है। डीपीआर बनाने से पहले डीएमआरसी की ओर से फिजिकल सर्वे की मांग की गई है। मेट्रो विस्तार के लिए लोनी के विधायक नंद किशोर गुर्जर और गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग भी मांग कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश शासन को भी पत्र लिखा गया है। शासन के निर्देश पर अब इस रूट पर मेट्रो विस्तार की कवायद तेज हो चुकी है। जीडीए सचिव विवेक मिश्रा ने बताया कि बृहस्पतिवार को मेट्रो विस्तार को लेकर आवास विकास, यूपीसीडा और नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। लोनी नगर पालिका के अधिकारी नहीं पहुंचे थे। साढ़े 12 किलोमीटर लंबे इस रूट का फिजिकल सर्वे कराया जाएगा। इसमें पांचों विभाग के अधिकारी रहेंगे। सर्वे में राइट ऑफ वे, सेंटल वर्ज की चौड़ाई के साथ अन्य फिजिबिलिटी देखी जाएगी। इस रूट के बनने से कितने लोगों को फायदा होगा। यह भी देखा जाएगा। बैठक के दौरान मेट्रो विस्तारीकरण से संबंधित विभिन्न तकनीकी, प्रशासनिक एवं जनहित से जुड़े पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। परियोजना को शीघ्र क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक समन्वय एवं कार्ययोजना तैयार करने पर विचार किया गया।

सार-समाचार

हरियाणा के वन्य जीवों पर तैयार हो रही है डॉक्यूमेंट्री

गुरुग्राम। हरियाणा के वन्य जीवों को लेकर वन्य जीव विभाग एक डॉक्यूमेंट्री तैयार कर रहा है। यह डॉक्यूमेंट्री अगले दो महीनों में तैयार हो जाएगी। इसमें गुरुग्राम के सुल्तानपुर राष्ट्रीय पक्षी उद्यान समेत यहां के जलीय क्षेत्र में आने वाले प्रवासी पक्षियों को भी दर्शाया जाएगा। करीब आधे घंटे की इस फिल्म के प्रदर्शन के साथ सुल्तानपुर राष्ट्रीय पक्षी उद्यान में एक छोटे थियेटर की शुरुआत की जाएगी। इसमें यहां आने वाले लोग पर्यावरण और वन्य जीवों के प्रति जागरूकता प्राप्त कर सकें। वन्य जीव अधिकारी आरके जांगड़ा ने बताया कि लेक परिसर में एक कमरा मौजूद है। वहां स्क्रीन लगाकर करीब 20 लोगों को बैठने की व्यवस्था की जानी है। करीब 5-7 लाख रुपये खर्च करके पक्षी उद्यान में लोगों को खास तौर पर स्कूली बच्चों को इस स्क्रीन पर वन्य जीवों और पक्षियों से जुड़ी फिल्में दिखाई जाएंगी। हरियाणा के वन्य जीवों पर आधारिक डॉक्यूमेंट्री के साथ अन्य राज्यों के वन्य जीवों की जागरूकता पर आधारित फिल्में भी इस छोटे थियेटर में दिखाने की व्यवस्था की जाएगी।

नागरिक अस्पताल में अगले माह से करा सकेंगे कैंसर का इलाज

गुरुग्राम। सेक्टर-10 स्थित जिला नागरिक अस्पताल में कैंसर रोगियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। करीब नौ साल बाद यहां कैंसर डे केयर सेंटर की शुरुआत होने जा रही है। अस्पताल प्रशासन की मानें तो चार फरवरी को कैंसर डे केयर सेंटर उद्घाटन होना है। सेंटर की शुरुआत से पहले झज्जर से विशेष कैंसर की टीम ने अस्पताल में निरीक्षण किया था, जिसके बाद कैंसर वार्ड में खामियों को दूर किया गया। कैंसर मरीजों के इलाज के लिए ड्रग प्रिपरेशन रूम भी तैयार कर लिया गया है। सभी बेड के साथ आधुनिक मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए गए हैं। इसके बाद एम्स झज्जर से रेफर हुए मरीजों का डे केयर सेंटर में इलाज किया जाएगा। इस सेंटर में सिर्फ दिन में ही इलाज किया जाएगा। कैंसर का इलाज कराने वाले मरीजों को नागरिक अस्पताल से निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए राज्य स्तर पर बजट स्वीकृत कर दिया गया है। दवा और इलाज मुफ्त मिलने से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और बेहतर उपचार संभव हो सकेगा। इस बारे में डॉ. लोकवीर, सीएमओ, स्वास्थ्य विभाग, गुरुग्राम का कहना है कि नागरिक अस्पताल में कैंसर डे केयर सेंटर पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है। यहां मरीजों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जल्द ही मरीज इसका लाभ ले सकेंगे। चार फरवरी को इसका उद्घाटन होने की संभावना है।

सड़क हादसे में घायल डिलीवरी बॉय की उपचार के दौरान हुई मौत

गुरुग्राम। उद्योग विहार क्षेत्र में 17 जनवरी की शाम को वाहन ने ईवी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में ईवी स्कूटी सवार डिलीवरी बॉय गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की 20 जनवरी को निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक युवक की बहन की शिकायत पर पुलिस ने उद्योग विहार थाने में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मृतक की पहचान बिहार के पूर्वी चम्पारण निवासी सफर (26) के रूप में हुई है। वह मां व बहन के साथ धर्म कॉलोनी, पालम एक्सटेंशन में किराये पर रहता था और एक कंपनी में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता था। जांच अधिकारी एएसआई पवन ने बताया कि 21 जनवरी को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। ईवी स्कूटी को टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ 281,106 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

संयुक्त आयुक्त ने सफाई व्यवस्था की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

मानेसर। मानेसर नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए संयुक्त आयुक्त हितेंद्र कुमार ने एक समीक्षा बैठक की। यह बैठक गुरुवार को नगर निगम कार्यालय में हुई। बैठक में उन्होंने सहायक सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने वार्डों में सुबह और शाम सफाई व्यवस्था पर सख्त निगरानी रखें। खुले में कचरा डालने वालों, कचरा जलाने वालों और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के खिलाफ नियमित चालान किया जाए। सफाई कार्यों से संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सभी वार्डों में 100 प्रतिशत डोर टू डोर कूड़े का संग्रहण सुनिश्चित किया जाए। खुले में कचरा जलाने की प्रवृत्ति पर संयुक्त आयुक्त ने कहा कि इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषित होता है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अचानक निरीक्षण में अगर कोई कमी मिलेगी, तो जुर्माना लगाया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां हुईं तेज

गुरुग्राम। सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल की जा रही है। इसे लेकर बृहस्पतिवार को एडीसी सोनू भट्ट ने निरीक्षण कर सभी प्रस्तुतियों की गुणवत्ता का अवलोकन किया। एडीसी ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन का अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देशभक्ति, संविधान की भावना तथा हरियाणवी लोक परंपराओं के अनुरूप हों। एडीसी ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रम समयबद्ध, अनुशासित एवं समारोह की गरिमा के अनुरूप हों। उन्होंने जानकारी दी कि 24 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह की फाइनल रिहर्सल आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी विद्यार्थी पूर्ण वेशभूषा में भाग लेंगे। रिहर्सल का शुभारंभ ठीक सुबह 9:58 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर डीसी अजय कुमार द्वारा जिला परिषद स्वतंत्रता सेनानी स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया जाएगा।

हजारों घरों को मिलेगी राहत, पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए प्रशासन ने उठाया ठोस कदम

वार्ड-31 में लगाए जा रहे तीन नए नलकूप, टैंकर पर निर्भरता होगी कम

फरीदाबाद। हर गर्मी के साथ ओल्ड फरीदाबाद के लोगों की सबसे बड़ी चिंता बन जाने वाला जल संकट अब जल्द समाप्त होने वाला है। वार्ड नंबर-31 के अंतर्गत आने वाले सेक्टर-16ए और आसपास के इलाकों में पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए प्रशासन ने ठोस कदम उठाया है। लंबे समय से कमजोर पड़ चुके और सूखते नलकूपों की जगह अब तीन नए आधुनिक नलकूप लगाए जा रहे हैं। इस योजना से पानी की उपलब्धता बढ़ने के साथ वर्षों से चली आ रही टैंकर पर निर्भरता से भी लोगों को राहत मिलेगी ओल्ड फरीदाबाद के कई रिहायशी इलाकों में हर साल अप्रैल-मई आते ही पानी की किल्लत गहराने लगती है। कई घरों में सुबह-शाम पानी का इंतजार करना पड़ता है तो कई इलाकों में ऊपरी मंजिलों तक पानी पहुंच ही नहीं पाता। स्थानीय लोगों की शिकायतें लगातार प्रशासन तक पहुंच रही थीं। इन्हीं हालात को देखते हुए सरकार और नगर निगम स्तर पर पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की योजना पर काम शुरू किया है। वार्ड-31 में जो नलकूप पहले से मौजूद थे वे समय के साथ कमजोर हो चुके हैं। कहीं पानी का प्रेशर बहुत कम है तो कहीं नलकूप पूरी तरह सूखने की कगार पर पहुंच चुके हैं। अब इनकी जगह तीन नए नलकूप लगाए जा रहे हैं जो ज्यादा गहराई तक बोर किए जाएंगे और लंबे समय तक स्थायी समाधान देंगे। नए नलकूप सेक्टर-16ए में मकान नंबर 634 के पास, गीता मंदिर के समीप और मेट्रो स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों में लगाए जा रहे हैं। ये ऐसे इलाके हैं जहां आबादी का दबाव अधिक है और पानी की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें आधुनिक हाइड्रोलिक रोटरी ड्रिलिंग यानी रिवर्स सर्कुलेशन तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। आम तौर पर पुराने बोर कुछ साल में गाद भरने या जलस्तर गिरने की वजह से बेकार हो जाते थे। नई तकनीक से किए जा रहे बोर ज्यादा गहराई तक पहुंचेंगे और जलस्तर से बेहतर तरीके से जुड़ेंगे। इससे भविष्य में नलकूप के सूखने या जल्दी खराब होने की संभावना काफी कम हो जाएगी। प्रशासन का दावा है कि यह तकनीक आने वाले कई वर्षों तक वार्ड-31 की पानी की जरूरतों को संभालने में सक्षम होगी। इस योजना का सीधा लाभ सीधा लोगों को मिलेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पानी का प्रेशर तेज हो जाता है तो रोजाना सामने आने वाली परेशानियो का समाधान हो जाएगा। अभी कई घरों में पहली मंजिल से ऊपर पानी नहीं पहुंच पाता जिससे मोटर और स्टोरेज पर निर्भरता बढ़ जाती है। नए नलकूपों से यह समस्या काफी हद तक दूर होने की उम्मीद है। दूसरा बड़ा फायदा टैंकरों से मुक्ति का है।

निगमायुक्त की अध्यक्षता में सीवरेज व मानसून प्रबंधन कार्यों की प्रगति की हुई समीक्षा

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र में सिवरेज से जुड़ी समस्याओं के स्थायी समाधान तथा मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से गठित सीवरेज मैनेजमेंट सेल एवं मानसून मैनेजमेंट सेल की समीक्षा बैठक नगर निगम गुरुग्राम कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने की। बैठक में बताया गया कि निगम क्षेत्र के दर्जनों संवेदनशील और चिन्हित स्थलों पर बकेट मशीन, सुपर सकर व जेटिंग मशीन के माध्यम से डी-सिल्टिंग कार्य तेजी से कराया जा रहा है। कई वार्डों में सीवर ओवरफ्लो की समस्या का स्थायी समाधान हो चुका है, जबकि शेष स्थानों पर निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मानसून मैनेजमेंट सेल की ओर से 159 संभावित जलभराव स्थलों पर समाधान का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में जानकारी दी गई कि सीवरेज मैनेजमेंट सेल के गठन के समय नगर निगम क्षेत्र में सीवरेज से संबंधित समस्याओं वाले कुल 40 स्थानों की पहचान की गई थी। इन सभी स्थानों पर स्थायी समाधान के उद्देश्य से कार्य प्रारंभ किए गए, जिनकी समयसीमा अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। अब तक लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 30 प्रतिशत कार्य तय समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा।

लिंक एक्सप्रेसवे की अधिसूचना जारी 10 दिन में मांगे गए दावे-आपत्तियां

बुलंदशहर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को नई रफ्तार देने वाली सबसे महत्वाकांक्षी योजना ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेसवे अब धरातल पर उतरने के लिए तैयार है। जिला प्रशासन ने इस प्रोजेक्ट के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है, जिससे जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने का रास्ता साफ हो गया है। इस अधिसूचना के साथ ही प्रभावित होने वाले 39 गांवों के भू-स्वामियों से 10 दिनों के भीतर दावे और आपत्तियां मांगी गई हैं। इसके निस्तारण के तुरंत बाद प्रशासन भूमि अधिग्रहण की अंतिम कार्रवाई शुरू कर देगा। इस प्रोजेक्ट की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बुलंदशहर जनपद की पांच तहसीलों के करीब 8700 किसानों की भूमि इस एक्सप्रेसवे की जद में आएगी। कुल 677 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है। पिछले एक साल से यह योजना फाइलों और कागजी प्रक्रियाओं में अटकी हुई थी, लेकिन अब शासन से हरी झंडी मिलने के बाद एडीएम (प्रशासन) और संबंधित एसडीएम ने मोर्चा संभाल लिया है। अधिसूचना के मुताबिक, यदि किसी किसान की गाटा संख्या, क्षेत्रफल या खतौनी में दर्ज नाम को लेकर कोई विसंगति है, अथवा किसी अन्य व्यक्ति का उस भूमि में कोई वैध हित निहित है, तो वह साक्ष्यों के साथ संबंधित तहसील के एसडीएम कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। 10 दिन की समय सीमा समाप्त होने के बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और अधिग्रहण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

नोएडा और अहमदाबाद में कई स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

ग्रेटर नोएडा। नोएडा के कुछ निजी स्कूलों को ई-मेल के माध्यम से धमकी मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया है। इस गंभीर घटना के तत्काल बाद, उच्चाधिकारियों के निर्देश पर स्थानीय पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। विभिन्न थानों से पुलिस बल, बम स्क्वाड, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वाड और बीडीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीमों को तुरंत प्रभावित स्कूलों में भेजा गया है। इन विशेष टीमों द्वारा स्कूलों के परिसरों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का पता लगाकर उसे निष्क्रिय किया जा सके। नोएडा सेक्टर 62 फादर एंगल स्कूल में बम मिलने की सूचना के बाद मौके पर पुलिसकर्मी पहुंचे। धमकी भरे ई-मेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर सेल की टीम भी पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। यह टीम ई-मेल के स्रोत का पता लगाने, भेजने वाले की पहचान करने और इसके पीछे की मंशा को समझने का प्रयास कर रही है। इस तकनीकी जांच से यह स्पष्ट हो सकेगा कि क्या यह कोई वास्तविक खतरा है या केवल एक अफवाह फैलाने का प्रयास। पुलिस सभी संभावित कोणों से जांच कर रही है और किसी भी प्रकार की चूक से बचना चाहती है। अधिकारियों ने जनता को आश्वस्त किया है कि वर्तमान में स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। जिन स्थानों पर चेकिंग की जा रही है, वहां पूर्णतः शांति व्यवस्था स्थापित है। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की कड़ी अपील की गई है। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि वे नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तत्पर हैं और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ गुजरात में अहमदाबाद के पश्चिमी इलाके के कई स्कूलों को ईमेल से बम की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद क्राइम ब्रांच की बम स्क्वॉड और फोरेंसिक डिपार्टमेंट की टीम जांच कर रही है।

अलाइनमेंट को स्वीकृति मिलते ही एफएनजी एक्सप्रेसवे का काम पकड़ेगा रफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) एक्सप्रेसवे परियोजना को लेकर लंबे समय से चले आ रहे इंतजार के बाद अब प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। प्रशासन की तरफ से अधिकारियों को दो माह में सभी औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं अधिकारियों ने बताया कि परियोजना की अलाइनमेंट स्वीकृति के लिए प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा जा चुका है और सरकार से हरी झंडी मिलते ही अगले चरण की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। इस परियोजना पर 900 करोड़ रुपये से काम होगा। अधिकारियों के अनुसार एफएनजी एक्सप्रेसवे के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने तीन अलाइनमेंट सरकार को मंजूरी के लिए भेजे हैं। इनमें प्रमुख अलाइनमेंट लालपुर गांव के पास यमुना नदी पर प्रस्तावित 600 मीटर लंबे पुल से जुड़ा है। इसके अलावा सेक्टर-87 स्थित एक निजी अस्पताल के पास से रिवाजपुर और टिकावली होते हुए यमुना तक करीब नौ किलोमीटर लंबी सड़क बनाने का प्रस्ताव शामिल है। सीएम के प्रधान सलाहकार की तरफ से प्रोजेक्ट की समीक्षा किए जाने पर अधिकारियों ने बताया कि अलाइनमेंट को लेकर तकनीकी स्तर पर लगभग सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। अब अंतिम फैसला मुख्यालय स्तर पर होना है। अधिकारियों का मानना है कि जैसे ही अलाइनमेंट को स्वीकृति मिलते ही जमीन की नपती और फील्ड स्तर की कार्रवाई तुरंत शुरू की जा सकेगी। समीक्षा बैठक में एफएनजी एक्सप्रेसवे के रास्ते में आने वाले अवैध निर्माणों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। पीडब्ल्यूडी द्वारा तैयार किए गए लेआउट प्लान के अनुसार प्रस्तावित सड़क मार्ग पर 100 से अधिक कब्जे सामने आए हैं। इनमें ढाबे, रेहड़ी-पटरी के अलावा कुछ पक्के मकान भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि सरकार से मंजूरी पत्र मिलने के बाद जमीन की नपती शुरू की जाएगी और अवैध निर्माणों को हटाने की प्रक्रिया नियमानुसार की जाएगी। इसके लिए उपायुक्त के नेतृत्व में नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों के साथ संयुक्त बैठक की जाएगी ताकि कार्रवाई पारदर्शी और संतुलित तरीके से हो। फरीदाबाद से रोजाना करीब 50 हजार लोग नौकरी और अन्य कामों के लिए नोएडा और गाजियाबाद की ओर आवाजाही करते हैं। फिलहाल यमुना नदी के कारण दोनों राज्यों के बीच कोई सीधी सड़क नहीं है। लोगों को कालिंदीकुंज होकर जाना पड़ता है जहां चौबीसों घंटे जाम की स्थिति बनी रहती है। दस मिनट का सफर अक्सर एक घंटे में पूरा होता है। एफएनजी एक्सप्रेसवे के पूरा होने के बाद फरीदाबाद से नोएडा और गाजियाबाद की दूरी मिनटों में सिमट जाएगी। इससे न केवल लोगों को राहत मिलने के साथ दिल्ली पर ट्रैफिक का दबाव भी कम होगा। अधिकारियों ने बताया कि एफएनजी परियोजना के तहत गुरुग्राम से पश्चिम फरीदाबाद होते हुए सैनिक कॉलोनी चौक तक सीधी सड़क पहले ही बनाई जा चुकी है। अब इस कनेक्टिविटी को ग्रेटर फरीदाबाद से नोएडा तक बढ़ाया जाएगा। इसके बाद गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के बीच सीधा और सुगम आवागमन संभव हो सकेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: DCE-BL-05-2026

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा आमन्त्रित करते हैं:—

क्रम सं.-1, ई-निविदा सं.-DCE-BL-05-2026, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के ओपेन वेब गर्डर पुल लखनऊ मण्डल पर स्थित पुल सं.-391UP (17x61.0m), वाराणसी मण्डल पर स्थित पुल सं.-137UP (13x30.5m) एवं 137DN (13x30.5m) तथा इज्जतनगर मण्डल पर स्थित पुल सं.-270(8x30.5m) के टाप कार्ड पर इन्सपेक्शन पाथवे तथा इण्डरेकर पर सीढ़ियो का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 6,91,03,518.82, बयाने की राशि: ₹ 4,95,500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि: 18 (अट्ठारह) माह।

• ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 17-02-2026 को 11:00 बजे। • ई-निविदा की प्राप्ती की तिथि: दिनांक 17-02-2026 को 10:59 बजे। • ई-निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण वेबसाईट *www.ireps.gov.in* पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन
मुजाहि/डब्लू-427 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

संपादकीय

चीन की चालों से सतर्क रहने की है जरूरत

भारत का पड़ोसी देश चीन भारत विरोधी हरकतों के चलते कुख्यात है। पहले वह भारत के अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के इलाकों पर जुबानी दावे करता था, लेकिन 2017 में डोकलाम घाटी पर कब्जे की कोशिश में मुंह की खाने के बाद उसने पूरी सीमा पर बड़े पैमाने पर सैन्य निर्माण शुरू करके भारत के लिए नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। पिछले दिनों अंतरिक्ष से सीमाओं की टोह लेने वाले भारतीय उपग्रहों से पता चला कि लद्दाख में चीनी कब्जे वाले शक्सगाम इलाके में चीनी सेना एक ऐसी सड़क बना रही है, जो भारत-पाकिस्तान और चीन के इस मिलन क्षेत्र में सियाचिन की सुरक्षा के लिए नए खतरे पैदा कर सकती है। शक्सगाम घाटी जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के भारत में विलय के बाद भारत का हिस्सा थी, लेकिन अक्टूबर 1947 में उस पर हमले में पाकिस्तानी सेना ने कब्जा कर लिया था। 1962 के भारत-चीन युद्ध के एक साल बाद ही पाकिस्तान ने चीन को खुश करने के लिए 1963 की एक संधि के तहत शक्सगाम का लगभग 5,180 वर्ग किमी क्षेत्र चीन को सौंप दिया। रणनीतिक दृष्टि से शक्सगाम के भौगोलिक महत्व को इससे समझा जा सकता है कि यह पाकिस्तान द्वारा भारत से छीने गए गिलगित-बाल्टिस्तान और चीन द्वारा 1949 में कब्जाए गए ईस्ट-तुर्किस्तान (चीन द्वारा दिया गया नया नाम 'शिनजियांग') को आपस में जोड़ता है। इसके अलावा यह सियाचिन के बहुत निकट है जो शक्सगाम और भारत के उस अक्साई चिन को अलग करता है, जिस पर 1950 के दशक में चीन ने गुपचुप कब्जा कर लिया था। शक्सगाम में चीन की यह नई स?क बन जाने के बाद दुनिया के सबसे ठंडे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर को पाकिस्तानी हमलों से बचाने में जुटी भारतीय सेनाओं के लिए खतरा दोगुना हो जाएगा। आज सियाचिन पर उपस्थिति के कारण भारतीय सेना चीन के सैनिक महत्व वाले कराकोरम हाईवे पर नजर रख सकती है, जिसकी वजह से सियाचिन चीन के आंख की किरकिरी बना हुआ है। इसी क्षेत्र पर कब्जे के लिए 2021 में चीनी सेना ने गलवन में धोखे से हमला किया था। दुनिया के सबसे कठिन इलाकों में गिने जाने वाले इस क्षेत्र में सड़कों के सैनिक महत्व को इससे समझा जा सकता है कि गलवन कांड के तुरंत बाद भारतीय सेना ने जिस गति और संख्या के साथ चीनी सैनिकों पर जवाबी हमला करके चीन को झकझोर दिया, शक्सगाम घाटी को लेकर विवाद के बीच सवाल यह है कि चीन ने नई सड़क बनाकर भारत के साथ नया विवाद शुरू करने का फैसला करने के लिए यही समय क्यों चुना? इसे समझने के लिए चीनी रणनीति और इतिहास पर एक नजर डालना काफी होगा। कुल मिलाकर चीन के भारत विरोधी रवैये के चलते भारत के लिये यह जरूरी है कि वह अपनी समृद्धि और संप्रभुता के लिये चीन की चालों से सतर्क रहे।

मालेगांव में बदलती जनसांख्यिकी और निकाय चुनाव परिणाम

प्रमोद भार्गव

पिछले लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के नगर मालेगांव में वोट जिहाद होने का आरोप लगाया था,वह अब एक प्रामाणिक सच्चाई के रूप में सामने आ गया है। फडणवीस के इस आरोप से तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल तिलमिला उठे थे, लेकिन अब निकाय चुनाव में उसी मालेगांव में इस्लाम पार्टी,समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम के गठबंधन ने अपना परचम तो फहराया ही,कथित सेकुलर दलों को भी किनारे लगा दिया। कांग्रेस ने भी महज तीन वे सीटें जीती हैं,जिन पर मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव लड़े थे। यहां नई नई अस्तित्व में आई इस्लाम पार्टी ने 35,सपा ने 5 एआईएमआईएम ने 21 सीटें जीती हैं। शिवसेना (शिंदे) को 18 और भाजपा को मात्र दो सीटें मिली हैं। ये परिणाम मालेगांव में जनसांख्यिकीय घनत्व बिगड़ने के कारण संभव हुए हैं। जिसकी चेतावनी फडणवीस ने तो दी ही थी, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइसेंज (टिस्स) ने भी दी थी। टिस्स की इस रिपोर्ट ने मुंबई में एक सर्वेक्षण करके कहा था कि 1961 में मुंबई की आबादी सिर्फ 8 प्रतिशत थी,जो 2011 में बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई और 2051 तक यह आबादी 30 प्रतिशत पहुंच जाएगी। तब यह आबादी कई दलों के राजनीतिक समीकरण बिगाड़ने में सक्षम होगी। इस रिपोर्ट की प्रासंगिकता मालेगांव निकाय चुनाव में साबित हो गई है। वर्तमान में मालेगांव में 78 प्रतिशत आबादी है,इसी बूते उसने 75 प्रतिशत सीटें जीत ली हैं। मसलन जिसकी जितनी संख्या भारी,उसकी उतनी शासन में हिस्सेदारी । जनसंख्यात्मक घनत्व के परिप्रेक्ष्य में दो तरह की चुनौतियां सामने आ रही हैं, एक प्रजनन के जरिए मुस्लिमों की बढ़ती आबादी और दूसरे घुसपैठ के जरिए सीमावर्ती राज्यों में मुस्लिमों की बढ़ती आबादी! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठियों की मदद से जनसांख्यिकीय घनत्व बदलने की साजिश बता रहे हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। ये हालात इसलिए चिंताजनक हैं, क्योंकि अब बिगड़ता जनसंख्यात्मक घनत्व भारत का राजनीतिक भविष्य तय करने की ओर बढ़ रहा है। पश्चिम बंगाल, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थानीय बनाम विदेशी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। असम के लोगों की शिकायत है कि बांग्लादेश और म्यांमार से बड़ी संख्या में घुसपैठ करके आए मुस्लिमों ने उनके न केवल आजीविका के संसाधनों को हथिया लिया है, बल्कि कृषि भूमि पर भी काबिज हो गए हैं। इस कारण राज्य का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगड़ रहा है। लिहाजा यहां के मूल निवासी बोडो आदिवासी और घुसपैठियों के बीच जानलेवा हिंसक झड़पें भी होती रहती हैं। नतीजतन अवैध और स्थाई नागरिकों की पहचान के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता पत्रक बनाने की पहल हुई। इस निर्देश के मुताबिक 1971 से पहले असम में रह रहे लोगों को मूल नागरिक माना गया है। इसके बाद के लोगों को अवैध नागरिकों की सूची में दर्ज किया गया है। इस सूची के अनुसार 3.29 करोड़ नागरिकों में से 2.89 करोड़ लोगों के पास नागरिकता के वैध दस्तावेज हैं। शेष रह गए 40 लाख लोग फिलहाल अवैध नागरिकों की श्रेणी में रखे गए हैं। इस तरह के संवेदनशील मामलों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। दरअसल घुसपैठिए अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते हैं, तो यह उन राजनीतिक दलों को वजूद बचाए रखने की दृष्टि से खतरे की घंटी है, जो मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए घुसपैठ को बढ़ावा देकर अवैध नागरिकता को वैधता देने के उपाय करते रहे हैं। मालेगांव में हुई गोलबंदी ने तय कर दिया है कि भविष्य में मुस्लिम नेता और नेतृत्व वाले दलों को ही मुस्लिम मतदाता,मतदान के लिए धुर्वीकृत होंगे। इस संदर्भ में मालेगांव एक मॉडल के रूप में पेश आया है,जिसका भविष्य में विस्तार भी हो सकता है? दरससल यहां इस्लाम पार्टी,सपा और असदूद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ीं और 75 फीसदी सीटें जीतने में सफल रहीं। अतएव कल विस्तृत होने वाली यह चुनौती कांग्रेस, सपा, राजद,आप, तृणमूल और कम्युनिस्ट पार्टियों को कहां लाकर खड़ा कर देंगी,इस परिणाम में अंतर्निहित इस चेतावनी का अहसास करने की जरूरत इन दलों को है? मुस्लिमों की बढ़ती आबादी जहां उत्तर,मध्य,पश्चिम और दक्षिण भारत को प्रभावित करेगी,वहीं घुसपैठ पुर्वोत्तर भारत के राजनीतिक समीकरण बिगाड़ देगी। इसलिए इन दलों को वर्तमान से कहीं ज्यादा भविष्य पर दृष्टिपात करने की जरूरत है। आज असम और बंगाल में अवैध घुसपैठ का मामला सबसे ज्यादा गर्म है। इसलिए मोदी जहां घुसपैठ के प्रखर विराधी के रूप में पेश आ रहे हैं, वहीं ममता बनर्जी घुसपैठियों के समर्थन में आ खड़ा होती हैं। 2026 में असम और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने हैं,इस कारण भी यह मुद्दा गरमाया हुआ है। दरअसल असम 1951 से 1971 के बीच राज्य में मतदाताओं की संख्या अचानक 51 प्रतिशत बढ़ गई। 1971 से 1991 के बीच यह संख्या बढ़कर 89 फीसदी हो गई।

तकनीक का नये परमाणु हथियार के रूप में हो रहा है उपयोग

नजरिया

21वीं सदी में शक्ति संघर्ष का स्वरूप बहुत तेजी से बदल रहा है। अब विभिन्न देशों के बीच संघर्ष, तोप, मिसाईल एवं सेनाओं के माध्यम से नहीं लड़े जा रहे हैं बल्कि तकनीकि उपलब्धता, मुद्रा नियंत्रण, पूंजी प्रवाह, खाद्य सुरक्षा, आकड़ों (डेटा) का संग्रहण, नियम निर्माण को प्रभावित करने की क्षमता एवं वैश्विक आपूर्ति शृंखला को प्रभावित करना, आदि में माध्यम से लड़ा जा रहा है। यह एक ऐसा बहुपरत, निरंतर संस्थागत एवं सूक्ष्म युद्ध का स्वरूप है जो राष्ट्र की आर्थिक सामरिक स्वायत्तता को बिना पारम्परिक लड़ाई के नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह युद्ध वैश्विक बाजारी शक्तियों अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, वॉल स्ट्रीट पर आधारित वित्तीय नेट्वर्क, डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक), रेटिंग संस्थानों, बड़े तकनीकि संस्थानों एवं निजी सैन्य परामर्श समूहों द्वारा मिलकर संचालित किया जा रहा है। यह युद्ध एक प्रणाली है एवं यह एक घटना नहीं है।

प्रहलाद सबनानी

व्यवस्थित तरीके से लड़े जाने वाले उक्त वर्णित युद्ध में रणनीतिक तंत्र का उपयोग किया जाता है। इस तंत्र के माध्यम से वैश्विक बाजारवादी शक्तियां मिलकर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, नीति संरचना, मुद्रा, पूंजी प्रवाह, तकनीकि, आपूर्ति शृंखला, खाद्य सुरक्षा एवं सामाजिक धारणा पर लम्बे समय तक अपना प्रभाव एवं नियंत्रण स्थापित कर लेती हैं। यह युद्ध अदृश्य रूप से चलता है एवं किसी को प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देता है। यह युद्ध विभिन्न संस्थानों के माध्यम से लड़ा जाता है एवं इस युद्ध के माध्यम से किसी भी देश की शासन व्यवस्था को भी परिवर्तित किया जा सकता है। हाल ही के समय में उक्त वर्णित अदृश्य युद्ध के माध्यम से बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका आदि देशों में सत्ता परिवर्तन किया गया है। भारत में भी इस तरह के प्रयोग अदृश्य रूप से किए जा रहे हैं परंतु भारतीय नागरिकों पर इस चाल को अभी तक कोई असर नहीं हुआ है क्योंकि भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे सामाजिक संगठन नागरिकों के बीच अपनी प्रभावी भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को कम करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में अपना निवेश लगातार निकाला जा रहा है जिससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर प्रवाह भारी मात्रा में हो रहा है और भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है। भारत में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात महंगे हो रहे हैं इससे अंतत~ भारत में मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि हो सकती है और भारत के नागरिकों में वर्तमान सत्ता के विरुद्ध असंतोष का भाव जाग सकता है। परंतु केंद्र सरकार की नीतियों के चलते अभी तक मुद्रा स्फीति की वृद्धि दर पर नियंत्रण बनाए रखने में सफलता मिली है एवं भारतीय खुदरा निवेशकों, म्यूचूअल फण्ड एवं देशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पर्याप्त मात्रा में अपना निवेश बढ़ाया है इससे भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट को सफलतापूर्वक रोका जा सका है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा फेड रेट (अमेरिकी ब्याज दर) में वृद्धि करने से भी अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत होता है क्योंकि अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि होने से वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में उभर रही अर्थव्यवस्थाओं से अमेरिकी डॉलर का निवेश

निकल कर अमेरिका की ओर आकर्षित होने लगता है। इससे भी इन देशों की मुद्राओं पर दबाव निर्मित होने लगता है। अतः ब्याज दरों में वृद्धि को भी एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। तीसरे हथियार के रूप में किसी भी देश की मुद्रा को स्ङ्ख्ढ्ढस्न्ञ्ज्ञ जैसे भुगतान नेट्वर्क से अलग कर दिया जाना है। इस निर्णय से सम्बंधित देश की मुद्रा का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेनदेन विपरीत रूप से प्रभावित होने लगता है। जैसे रूस की मुद्रा रूबल के साथ हाल ही के समय में हुआ था। उक्त समस्त निर्णयों से किसी भी देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर किया जा सकता है इससे उस देश में उत्पादों के आयात महंगे हो सकते हैं, उस देश पर विदेशी कर्ज का भार बढ़ सकता है एवं उस देश का आर्थिक विकास प्रतिबंधित हो सकता है। यह युद्ध संरचनात्मक अधीनता पैदा करता है।

इसी तरह का दबाव कुछ देशों पर तब डाला जाता है जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान (विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, रेटिंग संस्थान) से ऋ्रण लेने का प्रयास करते हैं। इन संस्थानों द्वारा इन देशों पर टैक्स की दरें बढ़ाने, अपने खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने, राजस्व सम्बंधी निर्णयों पर अपनी नीति थोपने, उस देश के ऊर्जा, बंदरगाह एवं खनन क्षेत्रों का निजीकरण करने के प्रयास करना एवं इसके मध्यम से उस देश में चुपचाप शासन परिवर्तन के प्रयास करना भी शामिल हैं। इन संस्थानों से कर्ज लेना आधुनिक गुलामी का सबसे व्यवस्थित मॉडल बन पड़ा है। इसके साथ ही, विभिन्न देशों के साथ व्यापार युद्ध भी छेड़ा जाता है। जैसे, अमेरिका द्वारा ब्रिक्स (भारत, चीन, रूस, ब्राजील) पर 500 प्रतिशत का टैरिफ लगाने के प्रयास करना भी इन देशों के विरुद्ध एक शह्म युद्ध छेड़ने जैसा ही निर्णय है। इन्हीं उपायों में कुछ देशों को निर्यात प्रतिबंधित करना भी इसी नीति का एक हिस्सा है। जैसे, अमेरिका एवं चीन द्वारा अन्य देशों को सेमीकंडक्टर, चिप एवं 5त्न के उपकरण के निर्यात करने पर रोक लगाई गई थी ताकि प्रभावित किये जाने वाले देशों में इन तकनीकी का उपयोग असम्भव हो सके और इन देशों का विकास रुक जाए। इसी प्रकार के प्रयासों में किसी देश के कृषि क्षेत्र की नीतियों को प्रभावित कर उस देश में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को कम करना भी शामिल है ताकि उस देश के नागरिक अपने देश की सरकार के खिलाफ उठ खड़े हों। जैसे हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते को सम्पन्न करने के लिए भारत पर दबाव बनाया जा रहा है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दे। इससे अमेरिकी उत्पाद सस्ती दरों पर भारत में उपलब्ध हो जाएंगे एवं भारत के किसानों द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थ सस्ते अमेरिकी उत्पादों की स्पर्धा में टिक नहीं पाएंगे। इससे भारतीय कृषि एवं डेयरी क्षेत्र बर्बादी के कगार पर पहुंच जाएगा और भारतीय किसान, सरकार के विरुद्ध उठ खड़ा होगा। कुल मिलाकर इस तरह के प्रयास उभरती अर्थव्यवस्थाओं की उत्पादन क्षमता प्रभावित करने के लिए भी किए जाते हैं ताकि यह देश विभिन्न उत्पादों का उत्पादन अपने देश में नहीं कर सकें एवं इसके लिए अन्य देशों से आयात पर इनकी निर्भरता बढ़ जाए।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र को प्रभावित करते हुए भी कुछ देश उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को दबाव में लाने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, तकनीकी आज का नया परमाणु हथियार है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स, क्वांटम, सेमीकंडक्टर, साइबर आदि भी आज, युद्ध के क्षेत्र बन चुके हैं। अमेरिका ने चीन को किए जाने वाले चिप के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, इससे जिन उत्पादों के निर्माण में चिप का प्रयोग होता है उन उद्योगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। इसी प्रकार, अमेरिका द्वारा भारत पर डाटा नियंत्रण हेतु दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पैटेंट एवं लायसेंसिंग पर नियंत्रण एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी कम्पनियों द्वारा नागरिक डाटा का दुरुपयोग किया जाना भी इसी युद्ध कला का एक हिस्सा है। पूरे विश्व में फैली कोविड महामारी के पश्चात वैश्विक आपूर्ति शृंखला एक भूराजनैतिक हथियार बन चुकी है। उदाहरण के लिए फार्मा क्षेत्र में उपयोग होने वाले कच्चे माल को चीन नियंत्रित करता है। इसी प्रकार, मूल्यवान खनिज पदार्थों के 90 प्रतिशत भाग के उत्पादन पर चीन का कब्जा है। खाद्य तेल की आपूर्ति पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का नियंत्रण है। समुद्री मार्गों पर कुछ देशों का कब्जा है, जो कई बार इस सम्बंध में अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मानने से इंकार कर देते हैं। इस तरह के व्यवहार से तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाएं निर्भरता की कैद में धकेल दी जाती हैं। आजकल झूठे विमर्श गढ़ने का कार्य भी बड़े जोरों पर किया जा रहा है। इसे बौद्धिक युद्ध की श्रेणी में रखा जा सकता है, जो प्रायः वैश्विक मीडिया द्वारा लड़ा जा रहा है। गैरसरकारी संस्थान एवं थिंक टैंक, एक संगठित नरेटिव इको सिस्टम बनाते हैं। जैसे, भारत के संदर्भ में गढ़े जाने वाले कुछ झूठे विमर्शों में शामिल हैं - भारतीय किसान अक्षम हैं, भारत के स्थानीय बीज पोषणहीन हैं, भारत का देशी खाद्य मॉडल पिछड़ा है, ब्रिक्स राजनैतिक रूप से अस्थिर देशों का संगठन है, डीडोल्लराईजेशन एक असम्भव कार्य है।

राष्ट्र की भावनाओं और विश्वास का प्रतिबिंब है क्रिकेट का मैदान

प्रो. आरके जैन

क्रिकेट का मैदान केवल खेल का स्थल नहीं होता, वह राष्ट्रों की भावनाओं, आकांक्षाओं और आपसी विश्वास का प्रतिबिंब भी होता है। जब इसी मैदान से किसी देश की अनुपस्थिति की घोषणा होती है, तो वह केवल खिलाड़ियों की कमी नहीं दर्शाती, बल्कि विचारों और संबंधों के टूटने का संकेत भी देती है। भारत में होने वाले टी20 विश्व कप से बांग्लादेश का बहिष्कार इसी टूटन की घोषणा है। यह फैसला खेल भावना से अधिक राजनीति की भाषा बोलता है। जिस विश्व कप को वैश्विक एकता, प्रतिस्पर्धा और उत्सव का प्रतीक होना चाहिए था, वह अब संदेह, टकराव और कूटनीति का अखाड़ा बनता जा रहा है। यह घटना बताती है कि आधुनिक क्रिकेट अब केवल बल्ले और गेंद का खेल नहीं रहा, बल्कि सत्ता और अस्मिता का माध्यम बन चुका है। इस पूरे प्रकरण की शुरुआत एक खिलाड़ी से हुई, लेकिन उसका विस्तार पूरे राष्ट्र तक पहुंच गया। मुस्तफिजुर रहमान का आईपीएल से बाहर होना एक पेशेवर निर्णय था, जैसा हर लीग में होता है, किंतु बांग्लादेश ने इसे सम्मान और सुरक्षा से जोड़कर देखा। यहीं से खेल निर्णय राजनीतिक मुद्दा बन गया। बीसीबी द्वारा मैच भारत से हटाकर श्रीलंका में कराने की मांग, आईसीसी का इनकार और फिर सीधा बहिष्कार, यह सब इस बात का प्रमाण है कि फैसले खेल तर्क से नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव में लिए गए। खेल सलाहकार और सरकारी नेतृत्व के तीखे बयान यह स्पष्ट करते हैं कि यह निर्णय क्रिकेट बोर्ड का नहीं, बल्कि सत्ता संरचना का था। परिणामस्वरूप संवाद की संभावना समाप्त हो गई और टकराव ने जगह ले ली। भारत और बांग्लादेश के क्रिकेट संबंध ऐतिहासिक रूप से जटिल लेकिन सौहार्दपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों ने संघर्ष और सहयोग, दोनों के उदाहरण पेश किए हैं। उनके बीच खेले गए मुकाबले केवल अंक तालिका की लड़ाई नहीं थे, बल्कि साझा इतिहास और क्षेत्रीय पहचान की अभिव्यक्ति भी थे। लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाओं ने इस संतुलन को तोड़ दिया है। बांग्लादेश के भीतर भारत विरोधी भावनाएं तेज हुई हैं और क्रिकेट उनका सबसे प्रभावी मंच बन गया है। मुस्तफिजुर प्रकरण को राष्ट्रीय अपमान के रूप में प्रस्तुत कर सरकार ने जनभावनाओं को संगठित किया। ऐसे वातावरण में पीछे हटना राजनीतिक कमजोरी माना जाता है। यही कारण है कि क्रिकेट अब खेल कम और भावनात्मक राजनीति का औजार अधिक बनता जा रहा है।

इस बहिष्कार का सबसे गहरा और प्रत्यक्ष प्रभाव स्वयं बांग्लादेश क्रिकेट पर पड़ेगा। आर्थिक नुकसान केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होता,

वह पूरी खेल संरचना को प्रभावित करता है। आईसीसी से मिलने वाली राजस्व हिस्सेदारी, प्रायोजक अनुबंध, मैच फीस और पुरस्कार राशि का नुकसान बोर्ड को वर्षों पीछे धकेल सकता है। खिलाड़ियों के लिए विश्व कप केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पहचान और करियर निर्माण का मंच होता है। वहां से बाहर होना उनके भविष्य की दिशा बदल सकता है। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं के सपने भी अधर में लटक गए हैं। सुरक्षा के नाम पर लिया गया यह फैसला अंततः खिलाड़ियों से सबसे बड़ी कीमत वसूल करता दिखाई देता है। भारत के लिए यह स्थिति पहली नजर में सहज प्रतीत हो सकती है, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम कहीं अधिक गंभीर हैं। कमजोर प्रतिद्वंद्वी की अनुपस्थिति से प्रतियोगिता की गुणवत्ता प्रभावित होगी। अंतरराष्ट्रीय मंच पर आईसीसी और मेजबान देश की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे। यदि अन्य देश भी इसी मार्ग पर चलते हैं, तो विश्व कप की विश्वसनीयता कमजोर हो जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का समर्थन इस बात का संकेत है कि यह संकट सीमित नहीं रहेगा। दर्शक क्रिकेट को रोमांच और प्रतिस्पर्धा के लिए देखते हैं, राजनीतिक रणनीति के लिए नहीं। यदि यह संतुलन टूटा, तो दर्शकों का विश्वास भी धीरे-धीरे कम होता जाएगा। क्रिकेट और राजनीति का संबंध नया नहीं है, लेकिन उसका यह खुला और आक्रामक स्वरूप अत्यंत चिंताजनक है। जब सरकारें खेल निर्णयों में हस्तक्षेप करने लगती हैं, तब खिलाड़ी केवल प्रतीक बनकर रह जाते हैं। खेल संघों की स्वायत्तता कमजोर होती है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं दबाव में आ जाती हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच पहले हुए बहिष्कारों ने चेतावनी दी थी, लेकिन उनसे कोई ठोस सबक नहीं लिया गया। यदि हर राजनीतिक असहमति का उत्तर बहिष्कार होगा, तो विश्व कप का वैश्विक स्वरूप समाप्त हो जाएगा। आईसीसी को अब केवल तटस्थ रहने के बजाय स्पष्ट और कठोर नीति बनानी होगी। यह बहिष्कार किसी एक टूर्नामेंट तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि वह मोड़ है जो क्रिकेट के भविष्य की दिशा तय कर सकता है। वर्षों की साझी मेहनत से बनी एशियाई क्रिकेट की एकता आज स्पष्ट रूप से दरकती दिखाई दे रही है। यदि राजनीति लगातार खेल पर हावी होती रही, तो आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसा क्रिकेट विरासत में मिलेगा जो विभाजित होगा, अधूरा होगा और अपने मूल उद्देश्य से भटका हुआ होगा। खेल का जन्म राष्ट्रों को जोड़ने के लिए हुआ था, न कि उनके बीच की खाइयों को और गहरा करने के लिए। क्रिकेट की आत्मा प्रतिस्पर्धा में बसती है, विरोध और वैमनस्य में नहीं। जब सीमाएं खेल के मैदान में दीवार बन जाएं, तब आत्ममंथन केवल आवश्यक नहीं, बल्कि अनिवार्य हो जाता है। फिर भी, संकट के इस दौर में आशा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। संवाद, पारदर्शिता और आपसी सम्मान ही इस टकराव से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता हैं। बीसीबी, बीसीसीआई और आईसीसी को राजनीतिक दबावों से ऊपर उठकर खेल के व्यापक हित में निर्णय लेने होंगे। क्रिकेट को शक्ति प्रदर्शन का माध्यम नहीं, बल्कि विश्वास और संवाद का सेतु बने रहना चाहिए। यदि आज खेल को राजनीति की गिरफ्त से मुक्त नहीं किया गया, तो भविष्य में केवल विवादों की श्रृंखला बचेगी, उपलब्धियों की नहीं। मैदान पर संघर्ष बल्ले और गेंद से तय होना चाहिए, विचारधाराओं और सत्ता समीकरणों से नहीं। क्रिकेट की एकता की रक्षा करना अनिवार्य है, क्योंकि यही इस खेल की सबसे बड़ी पहचान भी है और उसकी सबसे बड़ी विजय भी।

समय की पुकारः सूफी विचारों का प्रसार

निर्मल रानी

आज लगभग पूरी दुनिया स्वार्थ, नफरत, ईर्ष्या, विद्वेष, धार्मिक व जातीय मतभेद ,वर्चस्व व विस्तारवाद की आग में जल रही है। धर्म,जाति,भाषा वर्ग व समुदाय के आधार पर लोग एक दूसरे की जान के दुश्मन बने हुये हैं। ऐसे खतरनाक माहौल में केवल संतों व फकीरों की शिक्षा उनके दिखाये गये मानवतावादी रास्ते,उनके परोपकारी विचार व उनकी संगत ही समाज को सद्मार्ग दिखा सकती है। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के दरबार में गत 66 वर्षों से आयोजित होता आ रहा सप्ताह भर चलने वाला यह सर्व धर्म समागम एक ऐसा ही प्रयास है जहाँ हर धर्म व हर जाति के लोग प्रत्येक आस्था व विश्वास के लोग क्या अमीर तो क्या गरीब, सभी समान रूप से शिरकत करते आ रहे हैं। प्रत्येक वर्ष इसी अवसर पर रामायण व भागवत गीता का अखंड पाठ आयोजित होता है साथ ही पवित्र गुरु ग्रन्थ साहब का अखंड पाठ भी रखा जाता है। इतना ही नहीं बल्कि प्रत्येक वर्ष उर्स-ए-मुबारक के अंतिम दो दिनों में यानी 19 व 20 जनवरी की रात सूफी संगीत व कव्वाली की महफिल भी सजाई जाती है। इस पवित्र स्थान की संस्थापक मर्द - ए -कलन्दर माता राम बाई अम्मी हुजूर जी का जीवन परोपकार,सर्वधर्म समभाव व मानवतावादी मूल्यों पर आधारित था। अम्मी हुजूर जी संतों व फकीरों की शिक्षाओं का अनुसरण करने वाली एक सच्ची व आदर्शवादी फकीर थीं। और आज अम्मी हुजूर जी के वारिस व गद्दी नशीन शहजादा पप्पू सरकार द्वारा इसी सिलसिले व रिवायत को शानदार तरीके से अंजाम देने की कोशिश की जा रही है। अपने निजी व्यापार तथा पारिवारिक व्यस्तताओं को छोड़ कर शहजादा पप्पू सरकार जी गत् चालीस वर्षों से भी लंबे समय से पूरे समर्पण,श्रद्धा तथा विश्वास के साथ अपनी गद्दीनशीनी का कर्तव्य निभाते हुए अम्मी हुज़ूर तथा सफी सरवर बाबा सफी चंद जी के सपनों को साकार करते हुए इस स्थल को चंडीगढ़ के एक सबसे विशाल,आकर्षक तथा सर्वधर्म समभाव के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में स्थापित किए जाने के प्रयास में लगे हुये हैं। उनका मानना है कि ईश्वर-अल्लाह,वाहेगुरू तथा गॉड सभी एक ही सर्वोच्च सत्ता के अलग-अलग नाम हैं। राम दरबार की परंपरा किसी भी व्यक्ति में विराजमान 'मैं ही मैं' को समाप्त कर 'तू ही तू' के विचारों को धारण कराने की है। 'तू ही तू' राम दरबार का मुख्य वाक्य भी है। राम दरबार की शिक्षाएं सभी धर्मों के आम लोगों को अंधविश्वास,पाखंड आदि से मुक्त कराती हैं। राम दरबार न केवल धार्मिक वैमनस्य को समाप्त कर सांप्रदायिक सद्भाव बनाने का मार्ग दिखाता है बल्कि छूआछूत व जात-पात जैसी प्राचीन विघटनकारी दकियानूसी परंपराओं को समाप्त करने की दिशा में भी कार्य करता है। सहभोज या सामूहिक लंगर व भंडारा इसी दिशा में उठाया गया एक सकारात्मक कदम हैं। सप्ताह भर चलने वाले इस पूरे आयोजन में सभी धर्मों के लोगों का एक साथ मिल-बैठ कर किसी धार्मिक समागम में शिरकत करना जहां अपने-आप में एक अनूठा प्रयास है बल्कि यह इस समय पूरे देश व दुनिया की सबसे बड़ी ज़रूरत भी है। आज जहां हमारे देश में अनेक ऐसी शक्तियां सक्रिय हैं जो लोगों को धर्मों व जातियों के नाम पर लड़वा रही हैं। वहीं शहज़ादा पप्पू सरकार की गद्दीनशीनी में संचालित होने वाला राम दरबार, भारत का एक ऐसा गौरवपूर्ण स्थान है जहाँ हर धर्म व समुदाय के लोग पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ अपने शीश झुकाते हुए नजर आते हैं। राम दरबार एक ऐसा स्थान है जहाँ विभिन्न धर्मों,आस्थाओं तथा विश्वासों को लेकर टकराव अथवा विवाद की बात नहीं होती बल्कि यहां मानवता का संदेश दिया जाता है। यहाँ धर्म की रूढ़िवादी व अतिवादी मान्यताओं से अलग हटकर सहनशीलता,मानवता, प्रेम,सद्भाव तथा परस्पर भाईचारे को सबसे अधिक अहमियत दी जाती है। राम दरबार के भक्तगण एक-दूसरे के खाने,पहनने,उसके धार्मिक पूर्वाग्रहों पर न तो चर्चा करना चाहते हैं न ही इन्हें परस्पर विवाद या चर्चा का विषय समझते हैं।

केंद्रीय बजट पर केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखकर बजट में बुंदेलखंड में विशेष पैकेज की मांग एवं बजट में दिए सुझाव

प्रधानमंत्री मोदी के विज़न के अनुरूप व्यापारियों को सशक्त बनाने वाला हो आगामी केंद्रीय बजट : संजय पटवारी

समय जगत, झांसी। आगामी 1 फ़रवरी 2026 को केंद्रीय वित्त मंत्री संसद में नौंवा केंद्रीय बजट को रखेंगे जिसको ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय पटवारी ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र एवं ज्ञापन के माध्यम से बुंदेलखंड के व्यापारियों की ओर से बुंदेलखंड में उद्योग और व्यापार में अलग से पैकेज देने की मांग की, एवं देशभर के व्यापारिक समुदाय की ओर से व्यापक एवं दूरदर्शी सुझाव प्रेषित किए हैं।'कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय पटवारी' ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सशक्त, पारदर्शी और आत्मनिर्भर भारत के विज़न के अनुरूप कैट ने ऐसे सुझाव दिए हैं, जो व्यापार को सम्मान, सरलता, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करते हैं।

'प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में सरकार द्वारा ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस, वोकल फॉर लोकल, लोकल फॉर ग्लोबल, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने देश के व्यापारिक वातावरण को नई दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि आगामी बजट में इन पहलों को और मजबूत किया जाए।'आप ने बताया कि कैट एवं उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल द्वारा दिए गए प्रमुख सुझावों में 'ट्रस्ट आधारित व्यापार व्यवस्था' के अंतर्गत छोटे व्यापारियों के लिए सिंगल विंडो कंप्लायंस सिस्टम , अनावश्यक नोटिस व निरीक्षण पर रोक, तथा व्यापारिक कानूनों के डिक्रिमिनलाइज़ेशन को तेज़ी से लागू करने की मांग की गई है। इसके साथ ही पार्टिसिपेटरी गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए 'प्रत्येक जिले में अधिकारियों व व्यापारियों की संयुक्त समिति' गठित करने का सुझाव दिया गया है, जिससे व्यापारिक समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर ही हो सके।'वन नेशन वन लाइसेंस वन रजिस्ट्रेशन' की अवधारणा को लागू करने, सभी व्यापारिक लाइसेंसों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से जारी करने तथा ऑटो-रिन्यूअल की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया है।प्रधानमंत्री मोदी जी के डिजिटल इंडिया विज़न को आगे बढ़ाते हुए कैट ने पारंपरिक व्यापार को आधुनिक बनाने के लिए 'टेक्नोलॉजी एडॉप्शन इंसेंटिव स्कीम , व्यापार को डिजिटल करने वाले उपकरणों पर सब्सिडी व टैक्स छूट तथा डिजिटल दुकान मिशन शुरू करने की सिफारिश की है।' ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स में भारी डिस्काउंटिंग, प्रेडेटरी प्राइसिंग और विदेशी फंडिंग से होने वाली अनुचित प्रतिस्पर्धा पर तत्काल नियंत्रण आवश्यक है। इसके लिए वाणिज्य मंत्रालय से 'हर ई कॉमर्स एवं क्विक कॉमर्स कंपनी को अनिवार्य पंजीकरण, समान नियम, कड़ी निगरानी तथा फेयर ट्रेड कोड' लागू करने का सुझाव दिया गया है ताकि छोटे रिटेलर्स के हित सुरक्षित रह सकें।कैट ने ईमानदार टैक्सपेयर्स को प्रोत्साहन देने के लिए 'टैक्सपेयर रेटिंग सिस्टम , कम स्क्रूटनी, फास्ट ट्रैक रिफंड' और सस्ते ऋण की सुविधा देने की भी मांग की है।उन्होंने कहा कि ÷'व्यापार भी एक कौशल है÷'कृ इस सिद्धांत को अपनाते हुए व्यापारियों और उनके कर्मचारियों के लिए 'नेशनल ट्रेडर्स स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम' शुरू किया जाना चाहिए, जिसमें डिजिटल स्किल्स, अकाउंटिंग, साइबर सिक्योरिटी और कस्टमर मैनेजमेंट शामिल हों।एवं उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल ने छोटे व्यापारियों के लिए पेंशन व बीमा सुरक्षा को मजबूत करने, व्यापारी पेंशन योजना को व्यावहारिक बनाने तथा 'च्डश्रश्रठल्, च्डैठल् और च्ड-ल्ड' जैसी योजनाओं को और सुदृढ़ करने का आग्रह किया है।तेज़ी से बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए व्यापारी नेताओं ने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा हेतु 'साइबर फ्रॉड प्रोटेक्शन फंड' , त्वरित मुआवज़ा व्यवस्था, सख्त डेटा प्रोटेक्शन कानून और बैंकिंग व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर डेटा दुरुपयोग पर रोक अत्यंत आवश्यक है।इसके अतिरिक्त, ÷'हर व्यापारी तक सरकारी योजना'÷ यिान चलाकर व्यापारिक संगठनों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी, सरल गाइडबुक, ऐप और हेल्पलाइन उपलब्ध कराने का सुझाव भी दिया गया है।कैट एवं उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल ने एमएसएमई और छोटे व्यापारियों के लिए 'डेडिकेटेड ट्रेड फाइनेंस पालिसी' समय पर भुगतान सुनिश्चित करने हेतु सख्त कानून, बाजारों के आधुनिकीकरण, वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स पार्क और स्मार्ट मार्केट्स विकसित करने की भी सिफारिश की है।नवाचारपूर्ण सुझावों में 'नेशनल ट्रेडर्स डाटा बैंक,ग्रीन ट्रेड इंसेंटिव स्कीम' तथा व्यापारिक विवादों के त्वरित समाधान के लिए 'ट्रेड ओंबुड्समैन' की स्थापना का प्रस्ताव शामिल है।

पटवारी ने मांग की कि ÷व्यापारिक समुदाय देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में यदि व्यापारियों को सम्मान, सुरक्षा, सरलता और समान अवसर मिलते हैं, तो भारत को 5 ट्रिलियन इकोनॉमी और विकसित भारत /2047 बनने से कोई नहीं रोक सकता।÷

बसंत पंचमी पर भानी देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर में संस्कार और राष्ट्रभक्ति का अनूठा संगम, नवीन सत्र हेतु प्रवेश प्रारंभ

समयजगत, झांसी। विद्या भारती द्वारा संचालित स्थानीय भानी देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, झाँसी में बसंत पंचमी का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सरस्वती पूजन एवं श्विद्यारंभ संस्कारश् पूर्ण विधि-विधान से संपन्न हुआ। इसी के साथ विद्यालय में आगामी सत्र के लिए नवीन प्रवेश की प्रक्रिया का भी विधिवत शुभारंभ हो गया है। कार्यक्रम के दौरान महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती भी गौरवपूर्ण ढंग से मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक यज्ञ के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय के मार्गदर्शक महानुभावों ने आहुतियां प्रदान कीं। यज्ञ में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष आनन्द शिवहरे, संभाग निरीक्षक शिवकरन, सेवा प्रमुख शिव सिंह, पूर्व प्रबन्धक डॉ. यू.पी. सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य सुशील कुमार, रिपूसूदन नामदेव तथा पूर्व आचार्या मीरा तिवारी सम्मिलित हुए। पंडित रामलखन उपाध्याय ने पुरोहित की भूमिका निभाते हुए वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ संपन्न कराया।प्रधानाचार्य छत्रसाल स्वर्णकार ने यज्ञ स्थल पर उपस्थित सभी आगंतुक अतिथियों एवं अभिभावकों का आत्मीय स्वागत किया।अवसर पर विद्यालय के विद्वान आचार्य दयाशंकर तिवारी ने अपने प्रभावी उद्बोधन में बसंत पंचमी और सरस्वती पूजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ष्ज्ञान और विवेक ही मनुष्य की वास्तविक शक्ति है। विद्यारंभ संस्कार बालक के जीवन में अज्ञानता के अंधकार को मिटाने का प्रथम सोपान है।ष् उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के प्रेरक जीवन प्रसंगों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से उनके साहसी और राष्ट्रवादी आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में सभी ने माँ सरस्वती की आरती की और प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर सुरेश गोस्वामी, अवधेश गोस्वामी, संजीव दुबे, हरिश्चंद्र गुप्ता, विष्णु श्रीवास्तव, प्रफुल्ल सक्सेना, राजेश गुप्ता, बृजेंद्र कुमार, राकेश बधवार, शैलेंद्र यादव, विकास श्रीवास्तव, अतुल तिवारी, कौशलेश पाल, आशीष अग्रवाल, अरविंद निरंजन, कृष्ण कान्त गुप्ता, ज्ञान प्रकाश गुप्ता, दया शंकर तिवारी, सुनील दुबे, नवीन राव, राजपाल सिंह, मानसिंह कुशवाहा, रुचि सक्सेना, स्मृति अग्निहोत्री, रश्मि त्रिपाठी, ब्यूटी सिंह, मंजू मिश्रा, मधु भदौरिया, नविता लिटौरिया, सारिका गुप्ता, आशा गुप्ता, पूजा गुप्ता, कनक श्रीवास्तव सहित समस्त विद्यालय परिवार एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

उधार सामान देने से मना करने पर दुकानदार से मारपीट

समय जगत, ललितपुर। पिसनारी बाग निवासी रामेश्वर कुशवाहा पुत्र स्व.खज्जू प्रसाद ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 19 जनवरी को रात करीब 9 बजे वह सिद्दंन रोड स्थित रामराजा गार्डन के पास अपनी किराने की दुकान पर बैठा था। तभी नेहरू नगर निवासी साहिल यादव अपने दो अज्ञात साथियों के साथ आया और किराने का सामान मांगने लगा। जब दुकानदार ने उससे पुराने पैसे पहले देने और फिर सामान लेने की बात कही तो साहिल ने आग बबूला होकर अपने साथियों के साथ एकराय होकर गालियां देते हुये मारपीट कर दी, जब वह बचकर भागने लगा तो साहिल ने हाथ में लिये लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसके चेहरे व सीने में चोटें आयीं और उक्त लोग उसे जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफबीएनएस की धारा 352, 351 (3), 115 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

रिक्सा चालक से मारपीट कर बेहोश किया, मामला दर्ज

समय जगत, ललितपुर। रामलीला बंध रावतयाना में रहने वाले राजकुमार पुत्र क्षमाधर ने चौकी सदर पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह रिक्सा चलाकर अपना व परिवार का भरण पोषण करता है। बीती 27 दिसम्बर 2025 की शाम करीब 5 बजे वह डा.राजकुमार जैन की अस्पताल के बाहर मुख्य रोड पर सवारियों से पैसा लेकर उतर रहा था, तभी वहां पहले से मौजूद नदी के पास सरदारजी की टाल के पीछे रहने वाला संजीव राजा पुत्र मानसिंह मौजूद था, जिसने अपने दो अज्ञात साथियों से मिलकर उसे गालियां दीं और मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी। इस मारपीट में उसकी हालत काफी खराब हो गयी और वह मौके पर ही बेहोश हो गया था। राहगीरों ने उसे एम्ब्युलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर संजीव राजा व उसके साथियों के खिलाफबीएनएस की धारा 352, 351 (3), 115 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

शादी के दस वर्ष बाद भी पति मांगता है दहेज

समय जगत, ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम पनारी में रहने वाली रामदेवी ने कोतवाली पुलिस को शिकायत दर्ज करायी है। रामदेवी के अनुसार उसकी शादी 10 वर्ष पहले राहुल पुत्र धनीराम के साथ हुयी थी। आरोप है कि राहुल आये दिन उसे किसी न किसी बात को लेकर परेशान करते हुये दहेज की मांग करता है और विरोध करने पर मारपीट की जाती है। इसके अलावा उसके सास-ससुर बचाव करने आते हैं तो पति उनके साथ भी गालियां देते हुये मारपीट करने लगता है। मायके पक्ष द्वारा भी राहुल को समझाने के बावजूद भी वह विवाद करता है। मारपीट से तंग आकर वह अपने मायके ग्राम रोंडा आती तो वह प्रधान के साथ मिलकर उसे जबरन वापस ले जाता। आरोप है कि 17 जनवरीको अपराह्न 12 बजे से उसका पति फिर विवाद करते हुये उसके साथ मारपीट कर रहा है। अब उसे जानमाल का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने महिला की तहरीर पर राहुल के खिलाफबीएनएस की धारा 352, 351 (3), 115 (2) व दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

ई-रिक्सा में जबरन न बैठाने पर मारपीट

समय जगत, ललितपुर। चौहान डाक्टर के पीछे रहने वाली पुष्पा पुत्री अजुद्दी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 19 जनवरी को शाम करीब 5.30 बजे वह हनुमानजी मंदिर से अपने लड़के प्रमोद के साथ घर वापस लौट रही थी, तभी चुंगी के पास रहने वाला अनूप पुत्र कन्हैया यादव व लेडियापुरा मां शारदा के पास रहने वाला गोलू बडेरा उसे मिला और रेलवे ओवरब्रिज के पास उन्हें अपने ई-रिक्सा में लिवा चलने की जिद करने लगे। जब उन्होंने मना किया तो उक्त लोगों ने गालियां देते हुये मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि उक्त लोग गुण्डा किस्म के लोग हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफबीएनएस की धारा 352, 351 (3), 115 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

सरकारी हैण्डपम्प से पानी भरने पर मारपीट

समय जगत, ललितपुर। थाना बार के ग्राम जरावली निवासी कन्हैयालाल पुत्र राजधर ने पुलिस को बताया कि 21 जनवरी की शाम 5 बजे उसकी भतीजी अपनी भाभी के साथ मोहल्ले में लगे सरकारी हैण्डपम्प पर पानी भरने गयी थी। तभी वहां खड़े गोपाल पुत्र हल्लू अहिरवार ने उसकी भतीजी को पानी भरने से मना किया, जिसका विरोध करने पर उसने भतीजी के साथ मारपीट करते हुये गालियां दीं। शोरगुल होने पर बचाने पहुंचे श्यामसिंह व भागचंद्र के साथ मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

बस की टक्कर से बाइक सवार घायल

समय जगत, ललितपुर। महानगर झांसी के थाना बबीना अंतर्गत ग्राम सरवां निवासी अर्जुन सिंह पुत्र कल्यान सिंह ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि बीती 18 जनवरी को उसका भाई शिशपाल सिंह अपनी मोटर साइकिल नम्बर एम.पी.32 जेड.सी. 1380 से ललितुपर से वापस गांव लौट रहा था। शाम करीब 4 बजे तेरई फाटक के पास ग्राम रानीकोडर के पास पीछे से आ रही बस नम्बर यू.पी.93 ए.टी. 1835 के चालक ने तेजी व लापरवाही से उसके भाई को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसका भाई घायल हो गया। उसके भाई को एम्ब्युलेंस के जरिए तालबेहट में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अब उसके भाई का उपचार झांसी में चल रहा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बस चालक के खिलाफबीएनएस की धारा 281, 125 (बी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

भौंरट बांध परियोजना में अधिग्रहीत भूमि का मुआवजा दिलाने की मांग

पुनर्वास, मकान और परिसंपत्तियों का नहीं मिला मुआवजा

समय जगत, ललितपुर। तहसील महरौनी के ग्राम छपरट के दर्जनों विस्थापित प्रभावित ग्रामीणों ने कृषि भूमि, आवासीय मकानों, ट्यूबबेल, हैंडपम्प, फ्लदार, इमारती पेड़ों और बगीचों का अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया है। घरों का मुआवजा नहीं मिलने से लोग अपने घर नहीं बना पा रहे हैं। पुराने मकान क्षतिग्रस्त हो रहे हैं जब विभागीय अधिकारियों से मांग की जाती तो टालमटोल कर प्रभावितों को टरका दिया जाता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि उन्हें 2022-23 में बड़े हुए सर्कल मूल्य डूब क्षेत्र में लागू किए जाने की मांग करते हुए कहा कि जिले में कृषि भूमि 15 लाख रुपए प्रति एकड़ चल रहा है।

जबकि उन्हें 8 लाख रुपए प्रति एकड़ दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में उनको अपना और आने वाली पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय दिख रहा है। उन्होंने मंत्री से शीघ्र और उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है। मांग करने वालों में जगदीश सिंह ने किया, उनके साथ काशीराम, मानकदास, गज्जू, रामकली, बड़ी बहू, प्रीतम, चंद्रभान, अमान, ज्ञासीराम, मानकुंवर, जखौरा बाई, बड़ी बहू, गुडडी बाई, कामता प्रसाद, राजकुमार, जानकी, घंसू, भगवत आदि रहे।

असम में गूंजी बुंदेलखंड की धमक, राज्यपाल ने सराही मोहिनी ग्रुप ललितपुर की कला

समय जगत, ललितपुर। पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक राजधानी गुवाहाटी के पंजाबाड़ी स्थित एन.ई.जेड.सी.सी. शिल्पग्राम में आयोजित शिल्पग्राम महोत्सव 2026 में भारत की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम देखने को मिला। एक भारत श्रेष्ठ भारत के विजन को साकार करते हुए आयोजित भव्य कार्यक्रम कलर्स ऑफ इंडिया में ललितपुर के मोहिनी ग्रुप ने बुंदेली संस्कृति की ऐसी शानदार प्रस्तुति दी कि दर्शक दीर्घा में मौजूद गणमान्य अतिथि भी झूम उठे। महामहिम राज्यपाल ने बढ़ाया। कलाकारों का उत्साह कार्यक्रम में मणिपुर एवं नागालैंड के अजय कुमार भल्ला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राज्यपाल ने पूरी प्रस्तुति का आनंद, भारत की एकता को दर्शाते इन सांस्कृतिक रंगों की सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने ललितपुर के मोहिनी ग्रुप सहित अन्य कलाकारों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने कहा कि बुंदेलखंड की माटी की यह कला और ऊर्जा राष्ट्रीय एकता की प्रतीक है।

बुंदेली लोक नृत्य और गीतों ने बांधा समां

ललितपुर से आए मोहिनी ग्रुप के कलाकारों ने

बुंदेलखंड के पारंपरिक लोक नृत्यों व लोकगीतों की जीवंत प्रस्तुति दी। रंग-बिरंगी बुंदेली वेशभूषा और ढोल-नगाड़ों की थाप पर जब कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया, तो पूरा शिल्पग्राम परिसर तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंज उठा। इस प्रस्तुति ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध लोक विरासत को पूर्वोत्तर के मंच पर गर्व के साथ स्थापित किया। इस वृहद कोरियोग्राफिक प्रस्तुति का निर्देशन संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता और एन.ई.जेड.सी.सी. दीमापुर निदेशक डा.प्रसन्न गोगोई ने किया। कार्यक्रम में शास्त्रीय, लोक और जनजातीय नृत्यों को एक सूत्र में पिरोया गया था। मोहिनी ग्रुप के जितेंद्र कुमार की अगुवाई में इन कलाकारों ने 18 से 20 जनवरी 2026 तक गुवाहाटी में रहकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें मोहिनी, रितिका, दीपिका, स्वाति, स्मृति, कशिश, करन, जीवन, बलराम आदि कलाकार शामिल थे।

देवरान में प्रेमी युगल पेड़ से फांसी पर लटके मिले

समय जगत, ललितपुर। थाना बार क्षेत्रांतर्गत ग्राम देवरान में गुरूवार की सुबह प्रेमी युगल का शव पेड़ से लटका मिला है। जानकारी के अनुसार, दोनों पिछले तीन दिनों से लापता बताए जा रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना देवरान गांव के पास एक महुआ के पेड़ की बताई जा रही है, जहां ग्रामीणों ने दोनों के शव देखे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। लड़की के पिता ने बताया कि उनकी बेटी 19 जनवरी 2026 की रात लगभग 11 बजे से लापता थी। परिजनों द्वारा तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई। परिजनों का कहना है कि लड़की के पिता पहले भी उमा को बहला-फुसलाकर ले गया था, जिस संबंध में बार थाने में पहले से एक गया था, जिस संबंध में बार थाने में पहले से एक मुकदमा दर्ज कराया गया था। उस मामले में एक अन्य व्यक्ति का नाम भी सामने आया था। उमा के लापता होने की सूचना डायल 112 पर भी दी गई थी। अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह और क्षेत्राधिकारी तालबेहट रक्षपाल सिंह ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिजली कर्मचारियो को सुरक्षा उपकरण के साथ कार्य करने कार्यशाला में किया जागरूक

समय जगत, निवाड़ी – ऊर्जा विभाग में पदस्थ विद्युत कर्मियो की सुरक्षा एवं कार्य कुशलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के उददेश्य से नगर के विवेकानंद ऑडियोटेरियम में बिजली सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन कर उन्हे जागरूक कर नियम बताये गये है। संभागीय कार्यालय में आयोजित बिजली विभाग की कार्यशाला में अधीक्षक अभियंता वृत्त टीकमगढ एनके त्रिपाठी एवं कार्यपालन अभियंता नवीन कुमार, सहायक अभियंता उप संभाग निवाड़ी विनोद शर्मा, कनिष्ठ अभियंता प्रदीप निरंजन राहुल गुप्ता तरीचर प्रभारी अंकित सिजोरिया की विशेष उपस्थिति मे उप संभाग एवं वितरण केन्द्र निवाड़ी तरीचरकलाओरछा में कार्यरत विद्युत लाइन कर्मचारियो के लिये विद्युत संबधी सुरक्षा उपाये एवं सुरक्षा उपकरणो के व्यवहारिक उपयोग से संबधित कार्यशाला का आयोजन किया।

विशाल हिन्दू सम्मेलन 30 जनवरी को

समय जगत, निवाड़ी । विशाल हिन्दू सम्मेलन 30 जनवरी 2026 नगर निवाड़ी निमित्त नगर विभिन्न मोहल्ले में प्रतिदिन निकाली जा रही है प्रभात फेरी। श्री कृष्णा आदर्श विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने निकाली भी रैली निकाल कर समाज में जात-पात की करो विदाई हम सब हिन्दू भाई भाई का नारा लगाते हुए दिया सामाजिक समरसता और सद्भाव संदेश। प्रभात फेरी के क्रम में आज खंदिया वाले हनुमान जी मंदिर से प्रारंभ होकर रामलीला मैदान, पछतयाना मोहल्ला, कुंडी मोहल्ला, दुबे चौक, छोटी बजरिया से होते हुए गायत्री मंदिर तक हुआ प्रभात फेरी का आयोजन।

विशाल हिन्दू सम्मेलन 30 जनवरी 2026 नगर निवाड़ी के निमित्त 16 जनवरी को पूज्यनीय भागवताचार्या प्राची देवी जी के करकमलों द्वारा भूमि पूजन, अक्षत कलश पूजन एवं ध्वज स्थापना कार्य बड़ी फील्ड खेल ग्राउंड में संपन्न हुआ। पूज्यनीय भागवताचार्या प्राची जी की शोभायात्रा रामलीला मैदान से ढ़ोल नगाड़ो के साथ हिन्दू सम्मेलन आयोजन स्थल पहुंची, और वहां पहुंच कर उन्होंने विधिवत तरीके से अक्षत कलश पूजन, भूमि पूजन एवं ध्वज स्थापित कर नगर निवाड़ी में 30 जनवरी 2026 को सम्पन्न होने वाले विशाल हिन्दू सम्मेलन एवं समरसता भोज के कार्यक्रम का श्रीगणेश किया। पूजन कार्यक्रम में आयोजन समिति के सदस्य एवं सर्व हिन्दू समाज के आदरणीयजन,पूज्यनीय मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

?पूजित अक्षत कलश के अक्षत अब नगर प्रत्येक घर-परिवार तक जाकर निमंत्रण स्वरूप बांटे जाएंगे एवं सभी सम्माननीय नागरिकों को नगर निवाड़ी में 30 जनवरी 2026 को बड़ी फील्ड खेल ग्राउंड में संपन्न वाले विशाल हिन्दू सम्मेलन एवं समरसता भोज आयोजन में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

बाल रोग चिकित्सा में उत्कृष्ट कार्य एवं सहयोग हेतु डॉ ओम शंकर चौरसिया फेलोशिप आई.ए.पी.से सम्मानित

समय जगत, झांसी। कोलकाता में आयोजित बाल रोग अकैडमी के 63 वें अधिवेशन में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के आचार्य एवं बाल रोग विभाग अध्यक्ष डॉ ओम शंकर चौरसिया को (थ्ाच) फेलोशिप आई.ए.पी.से सम्मानित किया गया।उल्लेखनीय है कि बाल रोग अकादमी (भारत) के द्वारा बाल रोग चिकित्सा में उत्कृष्ट कार्य एवं सहयोग हेतु प्रतिवर्ष(थ्ाच)अवार्ड दिया जाता है। इस वर्ष यह फेलोशिप महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के आचार्य एवं बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ.ओम शंकर चौरसिया को बाल रोग अकैडमी के 63 वें अधिवेशन में प्रदान किया गया। 17 जनवरी 2026 को कोलकाता में आयोजित अधिवेशन में डॉ नीलम मोहन (दिल्ली), डॉ बीसी रॉय अवार्डी एवं अध्यक्ष बाल रोग अकादमी ,पूर्व अध्यक्ष डॉ वसंत ख़लतकर (नागपुर)एवं डॉ एम सिंगारवेलू (तमिलनाडु) प्रेसिडेंट इलेक्ट द्वारा प्रदान किया गया ।

गणतंत्र दिवस पर्व पर मुख्य समारोह में कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े ध्वज फहराएंगी

समय जगत, निवाड़ी । मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के आदेशानुसार जिला मुख्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े ध्वज फहराएंगी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन करेंगी।कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े गणतंत्र दिवस पर्व पर मुख्य समारोह स्थल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02 के सामने स्थित खेल ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में प्रातः 9 बजे ध्वज फहराएंगी। कलेक्टर कार्यालय भवन को छोड़कर, सभी

सार्वजनिक/सरकारी और अर्ध-सरकारी भवनों/शैक्षणिक संस्थानों में सुबह 7 30 बजे झंडा फहराया जाएगा। कलेक्टर सुबह 8रू00 बजे संयुक्त जिला कार्यालय भवन में ध्वज फहराएंगे करेंगे। परेडग्राउंड पर माननीय मुख्य अतिथि का आगमन प्रातः 08रू55 बजे होगा। प्रातः 09रू00 बजे मुख्य अतिथि द्वारा झंडा फहराया जावेगा।

बरगढ़ में व्यापारी के बेटे का अपहरण के बाद की हत्या, पुलिस ने किया एनकाउंटर

समय जगत चित्रकूट। जिले के मऊ तहसील के कस्बा बरगढ़ निवासी अशोक कुमार पुत्री रमेश चन्द्र केसरवानी द्वारा थाना बरगढ़ पर सूचना दी कि उनके पुत्र आयुश केशरवानी उर्फ छोटू (13 वर्ष) का सायं 05.50 मिनट (लगभग) पर पुराने किराए दार इरफान अंसारी पुत्र अज्ञात व उसके साथ रहने वाला साहबे उर्फ कल्लू द्वारा अपहरण कर 40 लाख रुपए की फिरौती की माँग की गयी इस सूचना पर थाना बरगढ़ में मु0अ0सं0 07/2026 धारा 140(2) बीएनएस बनाम 1.इरफान अंसारी पुत्र अज्ञात 2. साहबे उर्फ कल्लू पुत्र अज्ञात निवासी अज्ञात पंजीकृत किया गया फिरौती की मांग पूरी न होने पर अभियुक्तों ने अशोक केशरवानी के पुत्र आयुष केशरवानी को जान से मार दिया पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र चित्रकूटधाम बांदा व पुलिस अधीक्षक चित्रकूट द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें गठित की गयी। गठित पुलिस टीमों द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये सर्विलांस एवं सीसीटीवी फुटेज से अभियुक्त 1.इरफान अंसारी पुत्र अज्ञात 2. साहबे उर्फ कल्लू पुत्र अज्ञात द्वारा बालक को ले जाने की पुष्टि हुई साक्ष्य संकलन के क्रम में अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड़ घेर मारकर गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्तों से घटना में प्रयुक्त मोबाइल बरामद किया गया पुलिस टीम की कार्यवाही में दोनो अभियुक्त घायल हो गये जिन्हे पुलिस टीम द्वारा उपचार हेतु सीएचसी मऊ में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों द्वारा अभियुक्त साहबे उर्फ कल्लू को मृत घोषित कर दिया तथा दूसरे अभियुक्त इरफान अंसारी को बेहतर उपचार हेतु प्रयागराज रेफर किया गया है। इधर नाराज पीड़ित परिजनों ने पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद नारे लगाए अबोध मासूम आयुष केसरवानी का पहले अपहरण किया गया और फिरौती न मिलने पर हत्या कर दी जाती है यह सिर्फ अपराध ही नहीं यह पूरे सिस्टम की नाकामी भी दर्शाता है दिनदहाड़े बाजार से मासूम बच्चे को उठाया जाता है और प्रशासन गहरी नींद में सोता रहता है आखिरकार आज फिर एक मासूम बच्चे की जान चली गई आरोप है अगर सिस्टम समय से एक्टिव हो जाता तो शायद अबोध बच्चे की जान बच जाती आज क्या अपहरण के बाद हत्या करने वालों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया लेकिन परिजनों द्वारा पुलिस प्रशासन पर आरोप प्रत्यारोप लगाने पर काफी भीड़ के साथ पूर्व विधायक आनंद शुक्ला एवं विधायक प्रतिनिधि पिंटू द्विवेदी आदि तमाम लोग धरने पर बैठे हुए हैं खबर लिखे जाने तक काफी भीड़ के साथ जनप्रतिनिधि रोड पर धरने में बैठे रहे।

ब्राह्मण महासभा की वार्षिक बैठक में आय व्यय का रखा गया ब्यौरा

कुलपहाड़/महोबा। ब्राह्मण महासभा की बैठक नगर में आयोजित की गई, जिसमें वार्षिक आय व्यय का लेखा-जोखा रखने के साथ ही सभी सदस्यों की सहमति पर राकेश कुमार भट्ट को तहसील अध्यक्ष एवं अनिल अरजरिया को नगर अध्यक्ष चुना गया। तहसील क्षेत्र में ब्राह्मण समाज द्वारा एकजुट होने व कुरीतियों से लड़ने तथा समाज के हित में काम करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। इसी के तहत नगर के बड़ा तालाब स्थित रामलला प्रांगण में ब्राह्मण समाज की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पिछले वार्षिक आय व्यय का ब्योरा रखा गया, साथ ही परशुराम मंदिर की व्यवस्था को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में संरक्षक भानू प्रताप पालीवाल ने कहा कि ब्राह्मण समाज अपने भले के लिए नहीं, बल्कि सर्वसमाज के सभी वर्गों की भलाई के लिए काम करता है। बाद में अध्यक्ष एवं तहसील अध्यक्ष के निर्वाचन हेतु चर्चा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से राकेश कुमार भट्ट को तहसील अध्यक्ष एवं अनिल अरजरिया को नगर अध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर पर नरेश रिछारिया, पुष्पेंद्र पटेरिया, जितेंद्र चौबे, लाला महाराज, बृजेंद्र द्विवेदी, भारत त्रिपाठी शंकु बाजपेई, आकाश मिश्रा, शरद आदि समाज के लोग उपस्थित रहे।

भूरागढ़ किले में 10 करोड़ से बनेगा रिवर फ्रंट व पार्किंग

बांदा। शहर के किनारे केननदी तट पर स्थित भूरागढ़ के किले में लगभग 10 करोड रुपए की लागत से रिवर फ्रंट,वाहन पार्किंग,छोटा चिड़ियाघर समेत पर्यटकों की जरूरी सुविधाओं के लिए निर्माण का काम किया जा रहा है।सरकार इन ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने का काम कर रही है। भूरागढ़ के किले में रिवर फ्रंट समेत अन्य निर्माण कार्य किये जा रहे हैं।यह किला चंदेल कालीन है जो अपने में कई इतिहास समेटे हुए हैं और इन सब चीजों के निर्माण हो जाने के बाद यह किला पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण के रूप में उभर कर सामने आ जाएगा और पर्यटकों के लिए बुंदेलखंड का प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेगा।अप्रैल तक पुनर्निमाण का कार्य पूरा होने की उम्मीद जतायी गयी है।केन नदी के तट पर ऊँचाई पर स्थित भूरागढ़ का किला पुनर्निर्माण के बाद नए रूप में लोगों के सामने आएगा।तेजी से सौंदर्यीकरण और इसके पुनर्निर्माण का कार्य किया जा रहा है। जिससे आने वाले समय मे यह ऐतिहासिक किला न सिर्फ ऐतिहासिक धरोहर के रूप में बल्कि यहां पर आने वाले पर्यटकों के लिए भी एक आकर्षण के रूप में उभरकर सामने आएगा।राज्य पर्यटन विभाग के द्वारा किले में 4 करोड़ 85 लाख रुपए की लागत से जहां रिवर फ्रंट बनाने का कार्य किया जा रहा है।तो वहीं पार्किंग, शौचालय, लाइटिंग,छोटाचिड़ियाघर समेत अन्य पर्यटक सुविधाओं का कार्य 4 करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है।कुल मिलाकर यहां पर जो काम कराए जा रहे हैं।9 करोड़ 34 लाख रुपए की लागत से करवाए जा रहे हैं।जिसमें सरकार की तरफ से 4 करोड़ 60 लाख रुपए पहली किस्त के रूप में जारी कर दिए गए थे।यहां पर 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है और उम्मीद है कि अप्रैल के महीने तक यहां के कार्य पूरे कर लिए जाएंगे।सन 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसके लिए भी अंग्रेजों के खिलाफ हुए युद्ध में लगभग 3000 क्रांतिकारी शहीद हुए थे। यहां पर अंग्रेजों ने सैकड़ो स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को फांसी दी थी और आज भी कई शहीदों के यहां पर शहीद स्थल बने हुए हैं।इस किले को एक महत्वपूर्ण शहीद स्मारक के रूप में जाना जाता है।यह किला एक प्रेम कहानी कभी गवाह है।जहां राजा भूरा की बेटी और एक नटबली के बीच की कहानी भी लोक प्रसिद्ध है।

अर्थ एवं सांख्यिकीय अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि भूरागढ़ के किले में सौंदर्यीयकरण व पुनर्निर्माण का कार्य किया जा रहा है।यहां पर रिवर फ्रंट बनाया जा रहा है।जहां पर आकर्षक घाट बनाए जा रहे हैं और लाइटिंग लगाई जाएगी।जो किले के दृश्य को खूबसूरत बनाएगी।वही वाहन पार्किंग,शौचालय, छोटा चिड़िया घर समेत अन्य पर्यटकों के लिए जरूरी सुविधाएं यहां पर बनाई जा रही हैं।जिनके बन जाने के बाद केले के ऐतिहासिक महत्व और खूबसूरती को चार चांद लग जाएंगे।

धारदार हथियार से युवक पर हमला, पूर्व प्रकरण में चुप रहने की धमकी

समय जगत (हमीरपुर)। सुमेरपुर कस्बे में गुरुवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक पर छह-सात अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे परिजनों द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने हमलावरों पर एक पुराने मामले में चुप रहने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुमेरपुर कस्बा निवासी शुभम द्विवेदी गुरुवार रात करीब 10:30 बजे भोजन करने के बाद अपने घर के बाहर टहल रहे थे। इसी दौरान अचानक छह-सात अज्ञात युवक मौके पर पहुंचे और धारदार हथियार से उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से शुभम संभल भी नहीं पाए और वह घायल होकर गिर पड़े। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े, तब तक हमलावर धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल शुभम को परिजन तत्काल उपचार के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पीड़ित द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया है कि हमलावरों ने उन्हें एक पूर्व प्रकरण से संबंधित मामले में चुप रहने की धमकी दी है। इससे पीड़ित और उसके परिजनों में दहशत का माहौल बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 15 जनवरी को सुमेरपुर क्षेत्र में एक अन्य प्रकरण को लेकर पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई थी।

संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य बांदा ने महिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

महोबा। संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण चित्रकूट धाम मण्डल बांदा डा.अभय प्रताप ने जिला महिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर महिलाओं को मिल रहीं स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत देखी। व्यवस्थाएं ठीक ठाक मिलने पर सन्तोष व्यक्त करते हुये सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश सीएमएस को दिये। शुक्रवार को संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण चित्रकूट धाम मण्डल बांदा डा.अभय प्रताप सिंह ने दोपहर के समय अचानक जिला महिला अस्पताल महोबा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, लेबर रूम, हेल्प डेस्क मैनेजर रूम, टीकाकरण कक्ष, रैन बसेरा, आक्सीजन प्लान्ट, मरीजों के पीने के लिये उपलब्ध शुध्द पेयजल, एसएनसीयू वार्ड, आयुष्मान वार्ड, जनरल वार्ड, ओ टी, पैथालॉजी कक्ष, स्टर लाईजेशन कक्ष, परिवार नियोजन कक्ष, चिकित्सक कक्ष का निरीक्षण कर मरीजों को मिल रहीं सुविधाओं को देखा। विभिन्न वार्डों में भर्ती प्रसूताओं से स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में फीड बैक लिया.साथ ही जननी सुरक्षा योजना समेत अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जाँच अभिलेखों की जाँच कर देखी। रैन बसेरा में ठहरने वाले तीमारदारों के लिये किये गये इन्तजाम की सराहना की। सीमित संसाधनों के बीच गर्भवती महिलाओं और प्रसूताओं को उपलब्ध करायी जा रहीं उच्च श्रेणी की स्वास्थ्य सुविधाओं की तारीफकी,शौचालय में सफाई व्यवस्था अच्छी मिलने पर भी उन्होंने सराहना की। उन्होंने चिकित्सकों को किसी भी कीमत पर बाहर की दवाएं नहीं लिखने की हिदायत देते हुये कहा बाहर की दवा लिखने की शिकायत मिलने पर कार्यवाही की जाएगी। कहा अपने यहाँ पर्याप्त मात्रा में दवाएं उपलब्ध है फिर भी यदि कोई दवा की मरीज को जरूरत है तो जनऔषधि केन्द्र की दवाएं लिखी जाएं.उन्होंने सी एम एस डा .रमाकान्त चौरिहा को कड़े निर्देश देते हुये उपचार और प्रसव के लिये आने गर्भवती महिलाओं को शासन की मंशारूप हर सम्भव अच्छी से अच्छी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएं। प्रसव के नाम पर मरीजों और तीमारदारों का शोषण और उत्पीड़न किये जाने की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। ज्वाइन डायरेक्टर के निरीक्षण से स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कम्प देखा गया. वही उन्होंने अस्पताल के पीछे पड़े कबाड़ को तत्काल हटवाने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर सीएमएस डा.रमाकान्त चौरिहा, जिला पुरुष अस्पताल महोबा के सीएमएस एवं रेडियो लॉजिस्टि डा.सुरेश कुमार,वरिष्ठ महिला चिकित्सक डा.एस.के.वर्मा, डा.अतुल राजपूत, प्रभारी चीफ फार्मासिस्ट सन्तोष कुशवाहा, वरिष्ठ लिपिक सन्तोष वर्मा, हेल्प डेस्क मैनेजर दीपशिखा सिंह, हिमांशु शुक्ला, नरेन्द्र कुमार, रजनी चौरसिया, लिपिक वन्दना सचान, अकाउंटेंट पंकज कुमार समेत अन्य चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफमौजूद रहा।

सार-समाचार

बसंत पंचमी पर गूंजे कवियों के स्वर, साहित्य और संस्कृति का हुआ उत्सव

समय जगत (हमीरपुर)। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर साहित्य, संगीत और कला को समर्पित संस्था कलार्पण जनपद हमीरपुर द्वारा लालू सिंह पब्लिक स्कूल, सुमेरपुर में भव्य कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन माँ सरस्वती के पूजन, महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जयंती तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में हवन-पूजन के उपरांत सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्यप्रेमियों और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष शिवकरण सिंह ने की, जबकि संचालन संस्था के मंत्री कैलाश प्रसाद सोनी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश प्रमुख रेवती कुमार पाठक रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव देवनारायण सोनी एवं हास्यकवि दिनेश कुमार दुबे मंचासीन रहे। गोष्ठी का शुभारंभ हरीराम गुप्त 'निरपेक्ष' द्वारा माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। उन्होंने ऋतुराज बसंत का स्वागत करते हुए मनोहारी पंक्तियाँ प्रस्तुत कीं। कवि राजेंद्र प्रेमी ने निराला को नमन करते हुए बसंत के आगमन पर काव्य पाठ किया। भौली से पधारे कवि कमलेश सिंह गौर, शायर वीरेंद्र पाल 'शजर', उपाध्यक्ष नीतिराज सिंह तथा वरिष्ठ कवि मुन्नीलाल अवस्थी ने बसंत की छटा, प्रकृति सौंदर्य और भावनाओं को अपनी रचनाओं में उकेरा। अध्यक्ष शिवकरण सिंह 'सरस' ने गीत के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। प्रांतीय मंत्री आचार्य देवनारायण सोनी, कवि अवधेश कुमार साहू 'बेचैन', हास्यकवि दिनेश दुबे, शायर मुहम्मद सलीम, कवि हरी प्रकाश कुशवाहा और कैलाश प्रसाद सोनी ने भी अपनी-अपनी रचनाओं से गोष्ठी को ऊँचाई प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में संयोजक हरीराम गुप्त 'निरपेक्ष' ने सभी अतिथियों, कवियों और उपस्थित श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला अपराध निरोधक समिति हमीरपुर के पदाधिकारी, बार एसोसिएशन के सदस्य, विद्यालय के अध्यापक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

श्रीराम मंदिर वर्षगांठ पर दीपोत्सव

बांदा। गौरक्षा समिति के मीडिया प्रभारी मितेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीराम मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर गौरक्षा समिति के तत्वाधान में केन आरती स्थल पर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस मौके पर श्रद्धालुओं ने अपनी खुशी जाहिर की।जिलाध्यक्ष महेश प्रजापति ने कहा कि श्रीराम मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ मे केन तट पर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।इस दौरान सैकड़ों की तादाद में दीपक प्रज्वलित किए गए और केन घाट को दीपों से प्रज्वलित कर जलाया गया।श्रीराम नाम के रूप में सजाकर दीपकों को रखा गया।इस दौरान भगवान श्रीराम की आरती का भी आयोजन किया गया।आतिशबाजी करते हुए श्रद्धालुओं ने अपनी खुशी जाहिर की।भगवान श्रीराम का मंदिर 500 वर्षों के बाद निर्माण हुआ।सभी सनातन प्रेमियों के लिए एक बहुत बड़ा त्यौहार के रूप में मनाया जाता है।कार्यक्रम में दीपक शुक्ला,राकेश त्रिपाठी, महेश धुरिया,कृष्णचंद्र प्रजापति,ऋषभ विश्वकर्मा, दिनेश कुमार,रजनीश प्रजापति सहित तमाम श्रद्धालु एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

बारह देवी मन्दिर में गायत्री महायज्ञ महोत्सव रामलीला का आयोजन भंडारे के साथ संपन्न

समय जगत हमीरपुर। जनपद हमीरपुर के बारह देवी मन्दिर, खड़ेही जार (धनपुरा, कल्ला, कलकापुरवा) में आगामी 16 से 23 जनवरी 2026 तक श्री 20वाँ गायत्री महायज्ञ महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक महोत्सव को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। आयोजन की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं और ग्राम व क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। महायज्ञ महोत्सव का शुभारंभ 16 जनवरी 2026 को प्रातः भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं व पुरुष शामिल होंगे। कलश यात्रा पूरे धार्मिक विधि-विधान के साथ गांव व आसपास के क्षेत्रों से होकर निकाली जाएगी। इसके पश्चात नियमित रूप से यज्ञ, हवन एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। 18 से 20 जनवरी 2026 तक रात्रि में रामलीला का विशाल एवं भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र का मंचन किया जाएगा। रामलीला देखने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं आये है। इस पावन अवसर पर श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर श्री रामदेव महाराज जी (बाँकी आश्रम, भरुआ सुमेरपुर) की गरिमामयी उपस्थिति रही। महायज्ञ के यज्ञाचार्य श्री सुरेश द्विवेदी (चन्दौखी) तथा भागवताचार्य श्री लखनलाल दीक्षित (बाँदा) धार्मिक अनुष्ठानों का विधिवत संचालन किया। महोत्सव का समापन 23 जनवरी 2026 को बृहद भण्डारे के साथ हुआ। जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का आयोजन श्री बारह देवी मन्दिर यज्ञ समिति द्वारा किया गया है। आयोजन समिति व ग्रामवासियों ने समस्त क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है।

रेत माफिया बनाम जनता: भरतपुर सोनहत में वादों की परीक्षा, जवाब कब देंगी विधायक?

आनंद शर्मा- समय जगत, मनेंद्रगढ़। छत्तीसगढ़, एमसीबी।भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र में रेत उत्खनन को लेकर एक बार फिर जनभावनाएं उफान पर हैं। जिले के निष्पक्ष पत्रकार और क्षेत्र की जनता, विधायक रेणुका सिंह से उनके विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादों को लेकर जवाब चाहती है। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रत्याशी के रूप में रेणुका सिंह ने पूर्व विधायक गुलाब कमरों पर आरोप लगाते हुए कहा था कि रेत उत्खनन के विरोध का ढोंग किया गया, जबकि वास्तविकता यह है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली के सामने लेटने की घटनाएं केवल दिखावे तक सीमित रहीं।साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि भाजपा की सरकार बनने पर रेत उत्खनन को पूरी तरह बंद किया जाएगा।चुनावी सभाओं और जनसंवाद में पत्रकारों के सवालों के जवाब में विधायक ने यह भरोसा दिलाया था कि,जनता जो बोलेगी, मैं वही करूंगी। अगर जनता कहेगी तो रेत ले जाने वाली गाड़ियां वहीं रुकवा दी जाएंगी। किसी में माइक के लाल दम पर जनता की भावनाओं के खिलाफ जाने की ताकत नहीं होगी। रेत माफिया का पूरा काम बंद कराया जाएगा।आज चुनाव को समय बीत चुका है और सरकार भी बन चुकी है, लेकिन स्थिति इसके उलट दिखाई दे रही है।क्षेत्र में रेत उत्खनन पहले से अधिक तेज़ होने के आरोप लग रहे हैं। इतना ही नहीं, अब यह भी आरोप सामने आ रहे हैं कि भाजपा के कुछ कार्यकर्ता और पदाधिकारी रेत उत्खनन से जुड़े हुए हैं। जनता यह जानना चाहती है कि,क्या चुनावी वादे केवल सत्ता प्राप्ति तक ही सीमित थे?जिन आरोपों के आधार पर पूर्व विधायक को घेरा गया, आज वही स्थिति क्यों दोहराई जा रही है?क्या यही सुशासन है? क्षेत्रवासियों और पत्रकारों की स्पष्ट मांग है कि विधायक रेणुका सिंह इस पूरे विषय पर प्रेस वार्ता कर अपना पक्ष स्पष्ट करें और यदि वाकई जनहित सर्वोपरि है तो रेत उत्खनन पर तत्काल प्रभावी रोक लगाकर दिखाएं।लोकतंत्र में जनता सवाल पूछती है,और जवाब देना जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी होती है।

मनमोहक नृत्य एवं कविताओं के माध्यम से किया जागृत

बसंतोत्सव एवं सुभाषचन्द्र बोस की जयंती पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

महोबा। साई कालेज ऑफएजुकेशन (डिग्री कालेज) महोबा में बसन्तोत्सव व नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की 129 वीं जयंती (पराक्रम दिवस) के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही धूम-धाम के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती व नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण, पुर्षापण अतिथि शिवकुमार गोस्वामी (पूर्व प्रधानाचार्य डी0ए0वी0 कालेज) महोबा, प्राचार्य डॉ0 एल0सी0 अनुरागी, प्रशासनिक अधिकारी बी0के0 साहू द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसके पश्चात मनमोहक प्रस्तुतियां जिसमें गीत, नृत्य, कविता भाषण के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने वसंत पंचमी (माँ सरस्वती जन्म दिवस), नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन चरित्र आदर्शों, माँ सरस्वती की कृपा, महिमा, ऋतु परिवर्तन से होने वाले सम्पूर्ण प्रकृति में परिवर्तनों का बखान किया। अतिथि शिवकुमार गोस्वामी ने विद्यार्थियों को माँ सरस्वती की नित्य स्तुति पूजा वंदन एवं नेताजी के अदम्य साहस, निर्णय शक्ति, देश भक्ति से प्रेरणा लेने के लिये प्रेरित किया। प्रशासनिक अधिकारी बी0के0 साहू ने कहा कि ऋतुराज बसंत के आने से सम्पूर्ण मानव जगत हर्षोल्लासित हो जाता है, अतः बसंत का त्यौहार हमें ऊर्जा से भर देता है। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्य डॉ0 एल0सी0 अनुरागी ने अपने सम्बोधन में कहा कि माँ शारदा राष्ट्र भक्ति की प्रेरणा देती हैं। माँ सरस्वती की आराधना के आशीर्वाद से ऋषि बाल्मीकि, वेदव्यास, पारासर आदि विद्वान हुये। अतः जिस मन्त्र की सहायता से वेदव्यास अठारह पुराणों की रचना कर सकें, वह मन्त्र है श्रीम हीम सरस्वत्यै स्वाहा' इसे विद्यार्थियों को याद करना चाहिये, इसके प्रभाव से वे चरित्रवान बनेगें। इस अवसर पर उपस्थित डॉ0 मैराज खांन, प्रवीण वाजपेयी, प्रदीप सिंह, आदर्श कुमार, डॉ0 रविन्द्र कुमार, आशीष चौरसिया, लोकेश चौरसिया आदि मौजूद रहे।

मां सरस्वती राष्ट्रीय भावना प्रदान करती हैं

(बसंत पंचमी/ सरस्वती पूजन पर विशेष)
डॉ एलसी अनुरागी

महोबा। विद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की पूजा माघ मास के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को किया जाता है। ब्राहम्णग्रन्थो के अनुसार ब्राग्देवी ब्रम्हस्वरूपा कामधेनु तथा समस्त देवो की प्रतिनिधि है। सृष्टिकाल मे ईश्वर की इच्छा से आद्याशक्ति ने अपने को पॉच भागो मे विभक्त कर लिया था। वे राधा, पदमा, सावित्री, दुर्गा और सरस्वती के रूप मे भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न अंगो से प्रकट हुई थी। उस समय श्रीकृष्ण के कंठ से उत्पन्न होने वाली देवी का नाम सरस्वती हुआ। श्रीमद्देवी भागवत और दुर्गा सप्तशती मे आद्याशक्ति के तीन रूप -महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती बताये गये है। मॉ सरस्वती राष्ट्रीय भावना प्रदान करती है तथा लोकहित मे लिए संघर्ष करती है। सृष्टि निर्माण वाग्देवी का कार्य है। मॉ की कृपा से मनुष्य ज्ञानी, विज्ञानी, मेधावी, महर्षि और ब्रहर्षि बन जाता है। मॉ सरस्वती का पुस्तक एंव कलम मे निवास स्थान बताया गया है। बंसत पंचमी सरस्वती पूजन से बालको की शिक्षा का शुभारम्भ कराया जाता है। देवीपुराण और ब्रहावैवर्त पुराण मे भगवान नारायण ने बाल्मीकि को सरस्वती मंत्र श्री ही सरस्वत्यै स्वाहा बताया था इसके प्रभाव से बाल्मीकि विश्वविख्यात आदि कवि बन गए।

इंदौर प्रेस क्लब में महोत्सव मां सरस्वती का हवन-पूजन और महाआरती संपन्न

इंदौर। बसंत पंचमी के अवसर पर शुक्रवार को इंदौर प्रेस क्लब में प्रतिवर्षानुसार वसंतोत्सव मनाया गया। प्रेस क्लब परिसर में स्थित मंदिर में विराजमान विद्या की देवी मां सरस्वती का इंदौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं मार्गदर्शक अरविंद तिवारी, अध्यक्ष दीपक कर्दम एवं महासचिव प्रदीप जोशी वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी ने विधि-विधान से पूजन एवं हवन कर महाआरती की। वसंतोत्सव के इस कार्यक्रम में मीडिया के साथियों के साथ ही समाजसेवी, पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी और वरिष्ठ नेतागण शामिल हुए। पूजन का कार्यक्रम पंडित धीरेंद्र राजौरिया ने संपन्न कराया। इंदौर प्रेस क्लब परिसर में विराजमान विद्या की देवी मां सरस्वती वसंत पंचमी के अवसर पर शहर के गणमान्य व्यक्तियों के अलावा बड़ी संख्या में मीडिया के साथी उपस्थित हुए। वसंतोत्सव में संतश्री तराणेकर महाराज, दादू महाराज, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, मीडिया प्रभारी वरुण पाल, सह मीडिया प्रभारी निति शर्मा, जे.पी. मूलचंदानी, एमआईसी निरंजन सिंह चौहान, पार्षद जीतू यादव, भाजपा नगर उपाध्यक्ष दीपेन्द्र सोलंकी, वीरेंद्र व्यास, नगर निगम अपर

आयुक्त अभय राजनगांवकर, अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता, शिवाजी मोहिते, हिंदी परिवार के सूर्यकांत नागर, अध्यक्ष हरेराम वाजपेयी, अरविंद ओझा, स्वदेशी जागरण मंच की महिला विंग की सह प्रमुख अलका सैनी, संस्था उड़ान की प्रमुख वैशाली शर्मा, वामा साहित्य मंच की पूर्व अध्यक्ष अमर कौर चड्ढा, विचार साहित्य प्रवाह मंच की संस्थापक अध्यक्ष सुषमा दुबे, ब्रह्माकुमारी संस्थान से अनिता बहन, वरिष्ठ लेखिका मणिमाला शर्मा, स्टेट बार कौंसिल के सदस्य जय हार्डिया, हाईकोर्ट बार अध्यक्ष रितेश ईनाणी, जिला बार अध्यक्ष लखनलाल शर्मा, सचिव कपिल बिरथरे, उपाध्यक्ष जितेंद्र निम, अतुल त्रिवेदी, राष्ट्रीय स्वयं संघ मालवा प्रांत के सह प्रचार प्रमुख पवन तिवारी, प्रांजल सुकुल, अरुण सवकाले, इंटक प्रदेश अध्यक्ष श्यामसुंदर यादव विशेष रूप से मौजूद थे। समारोह में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश चौकसे, के.के. मिश्रा, गिरधर नागर, अमन बजाज, अमित चौरसिया, अखिल भारतीय महिला मराठा महासंघ की अध्यक्ष स्वाति काशीद, समाजसेवी अजय शारडा, अजय चौरडिया, सराफा बाजार एसोसिएशन के मंत्री बसंत सोनी, अजय लाहोटी, गुरुसिंघ के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह भाटिया, इंदौर उत्थान अभियान के अध्यक्ष अजीत सिंह नारंग, शिक्षाविद एस.एल. गर्ग ने भी समारोह में भाग लिया। अतिथियों का स्वागत प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम, महासचिव प्रदीप जोशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, प्रियंका पांडेय, सचिव अभिषेक चेंडके, कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य अभय तिवारी, मनीष मक्खर, प्रमोद दीक्षित, अंशुल मुकाती, विजय भट्ट, श्याम कामले, महिला प्रतिनिधि पूनम शर्मा ने किया। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार जयदीप कर्णिक, कीर्ति राणा, प्रदीप मिश्रा, राजेश ज्वेल, तपेन्द्र सुगंधी, सुधाकर सिंह, शैलेश पाठक, संजय जोशी, गजानंद वर्मा, हरीश फतेहचंदानी, विवेक सेठ, अनिल कर्मा आदि मौजूद रहे।

पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में बसंतोत्सव एवं मा सरस्वती पूजन का किया गया भव्य आयोजन

समय जगत, शहडोल। पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय परिसर में आज वसंतोत्सव के पावन अवसर पर विद्या, वाणी और विवेक की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती का भव्य एवं सामूहिक पूजन श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर एवं कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी के साथ समस्त गुरुजन, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। पूरे परिसर में बसंत के आगमन का उल्लास स्पष्ट दिखाई दिया। श्वेत और पीत वस्त्रों से सजे छात्र-छात्राओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माँ सरस्वती का विधिवत पूजन किया। सरस्वती वंदना, पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कहा कि माँ सरस्वती भारतीय चेतना की वह अक्षय धारा हैं, जिनसे ज्ञान, विवेक और संस्कार निरंतर प्रवाहित होते हैं। वसंत केवल ऋतु परिवर्तन नहीं, बल्कि जड़ता से चेतना की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर और निराशा से नवसृजन की ओर बढ़ने का प्रतीक है। विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक संरचना नहीं होता, वह विचार, मूल्य और दृष्टि के निर्माण की प्रयोगशाला होता है। हमारा दायित्व है कि हम विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ नैतिक बोध, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व से भी संपन्न करें।

सार-समाचार

1 फरवरी को धूमधाम से मनेगा संत शिरोमणि रविदास जन्मोत्सव, निकलेगी शोभायात्रा

खरगोन। 1 फरवरी को संत शिरोमणि रविदास का 649वां जन्मोत्सव उत्सव के रुप में मनाया जाएगा। शहर में रविदास समाज कल्याण समिति द्वारा भव्य शोभायात्रा निकालने जाने के साथ ही सामाजिक कार्यक्रमों की तैयारी की गई है। इस दौरान शोभायात्रा के साथ नि :शुल्क युवक-युवती परिचय, सामूहिक विवाह सम्मलेन का आयोजन भी किया जायेगा। समाज के मीडिया प्रभारी मोहन आर्य, रविंद्र बछाने ने बताया कि काला देवल मंदिर, कुन्दा तट से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद कालादेवल मंदिर परिसर में दोपहर 3 बजे सभा का आयोजन होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज संगठन के अध्यक्ष रेवाराम तावड़े एवं उपाध्यक्ष अशोक बछाने द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जायेगा। साथ ही विभिन्न समाज अध्यक्षों को भी रविदास समाज द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया जायेगा एवं नगर पालिका परिषद खरगोन के समस्त पार्षदों को भी सम्मानित कर स्मृति चिन्ह भेंट किए जायेंगे। रात्रि में कार्यक्रम स्थल काला देवल मार्ग पर वीर तेजाजी कथा का आयोजन रहेगा।

प्रदेशाध्यक्ष बनने पर श्री पांडे का किया स्वागत

मनावर समय जगत। संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग बृजेश चंद्र पांडे को राजपत्रित अधिकारी कर्मचारी संघ का प्रदेश अध्यक्ष बनने पर उन्हें सम्मानित कर राज्य शिक्षक संघ धार जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह सोलंकी एवं जिले के समस्त अधिकारी कर्मचारी साथियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी गई हैं।

नगर परिषद अध्यक्ष ने फीता काटकर किया धामौरा मेले का भव्य शुभारंभ

राहुल जैन पोहरी। नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 2 के धामौरा हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित पारंपरिक मेले का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, उनके साथ में नगर परिषद अध्यक्ष रश्मि नेपाल वर्मा व पार्षद धीरेंद्र धाकड़ ने फीता काटकर मेले का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि धामौरा मेला हमारी सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। ऐसे आयोजन ग्रामीण संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के साथ-साथ आपसी भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। युवा पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने में इन मेलों की अहम भूमिका है। नगर परिषद द्वारा मेले की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। हमारा प्रयास है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं व नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण मिले। ऐसे आयोजन क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हैं। मेले के उद्घाटन अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री सुरेश राठखेडा नगरपरिषद अध्यक्ष रश्मि नेपाल वर्मा पार्षद धीरेन्द्र धाकड जनपद उपाध्यक्ष मुन्ना रावत विजय यादव समिति अध्यक्ष रमेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, दुकानों और मनोरंजन के साधनों से क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

3 किलो 385 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

खरगोन। हेलापडाव पुलिस चौकी क्षेत्र में अवैध गांजे की तस्करी के लिए निकला तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ा है। पुलिस ने आरोपी को करीब 66 हजार रुपए कीमत के 3 किलो 385 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मुखबिर से मिली सूचना पर दमखेड़ा फाटे पर निगरानी रखी गई। पुलिस को देख बाईक क्रमांक एमपी 10 जेड ए 8869 से संदिग्ध सेमलकुट फाटे की ओर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पीछा कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम रेलास पिता गाठिया निवासी कुंसुंबिया का होना बताया। बैग की तलाशी लेने पर उसमें गांजा मिला। रेलास के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

सिद्ध हनुमान मंदिर में भक्ति भाव से मनाया गया चतुर्थ पाटोत्सव

समय जगत, सिवनी। जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर मुंगवानी कलां स्थित सोसायटी परिसर के समीप सिद्ध हनुमान मंदिर में चतुर्थ पाटोत्सव समारोह श्रद्धा, आस्था और भक्ति भाव के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरे दिन विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। पाटोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम सिंघौड़ी निवासी विद्वान पुरोहित पंडित हरिप्रसाद मिश्रा के मार्गदर्शन में प्रातः 10 बजे से महाबली श्री हनुमान जी महाराज का विधिवत अभिषेक, हवन-पूजन, श्री सत्यनारायण भगवान की कथा, विशेष हवन एवं पूर्णाहुति सहित समस्त वैदिक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। मंत्रोच्चार से संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। धार्मिक अनुष्ठानों के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात दोपहर 2 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छिंदवाड़ा के सांवरिया म्यूजिकल ग्रुप के संचालक सुप्रसिद्ध भजन गायक आकाश नामदेव ने मां-बाप से बढ़कर जमाने में कोई चीज नही ग़ज़ल की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

इसके पश्चात उन्होंने झूला झूलन आ गए कन्हैया, भोला वरदानी, बड़ों छल बलिया ओ मैया कान्हा तुम्हारो जैसे एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु जमकर झूमते नजर आए। कार्यक्रम में महाकौशल क्षेत्र के ख्यातिलब्ध भजन गायक पंडित लोकेश शुक्ला ने हनुमान चालीसा एवं श्री राम जानकी बैठे हैं सीने में भजन प्रस्तुत किया। वहीं राजू भैया (बाधी) ने मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएंगे एवं हनुमान की पूजा से सब काम होता है सहित सुमधुर भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। शिवकुमार पिटनिया ने भी भजन की प्रस्तुति दी। अन्य सहयोगी कलाकारों में धनंजय सनोडिया, मोहन उपाध्याय (गुड्डू पटेल), महेंद्र चौहान, ठाकुर रंजीत सिंह सहित अन्य कलाकार उपस्थित रहे।

गांव-गांव सत्संग कर धर्म की रक्षा करना ही एकल का है उद्देश्य: जैन

श्योपुर में एकल का पांच दिवसीय श्रीहरि कथा व्यास अभ्यास वर्ग संपन्न

समय जगत, श्योपुर। एकल श्रीहरि कथा एकल अभियान का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिसके माध्यम से ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों में कथा, सत्संग और भजन द्वारा सांस्कृतिक, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का संवर्धन किया जाता है। एकल अभियान का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता के माध्यम से समाज को सशक्त बनाना है। आओ जलाएं दीप वहां, जहां अभी भी अंधेरा है के संकल्प के साथ एकल अभियान बीते 37 वर्षों से सतत कार्य कर रहा है और वर्तमान में देशभर में एक लाख से अधिक एकल विद्यालय संचालित हो रहे हैं। उक्त विचार एकल अभियान प्रभाग पी-7 जागरण शिक्षा प्रभारी विकास जैन 'नखराली' ने श्योपुर में आयोजित पांच दिवसीय श्रीहरि कथा व्यास अभ्यास वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि एकल श्रीहरि कथा प्रशिक्षण का उद्देश्य समितियों को मजबूत करना तथा गांव-गांव सत्संग के माध्यम से धर्म की रक्षा कर ग्रामीण समाज को राष्ट्रोपयोगी बनाना है। एकल अभियान संस्कार शिक्षा के अंतर्गत 20 से 25 जनवरी तक मध्यभारत संभाग का त्रैमासिक पांच दिवसीय व्यास अभ्यास वर्ग एकल अभियान कार्यालय, चंबल कॉलोनी श्योपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर संभाग अध्यक्ष घनश्याम रघुवंशी ने कहा कि एकल अभियान के माध्यम से धर्म, संस्कृति और राष्ट्रसेवा का जो यज्ञ निरंतर प्रज्ज्वलित है, वह समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रहा है। महिला भाग अध्यक्ष आशा रघुवंशी ने व्यास कथाकारों से आव्हान किया कि वे वनांचल क्षेत्रों में भगवान की कथाओं के माध्यम से भक्ति और ज्ञान का प्रचार-प्रसार कर लोगों को धर्म से जोड़ें। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में विकास जैन नखराली के साथ संभाग अध्यक्ष घनश्याम रघुवंशी, संभाग सचिव महेश सिंगल, संभाग व्यास संजय शरण, चंबल भाग महिला अध्यक्ष आशा रघुवंशी, संभाग हरि कथा कार्यालय प्रमुख पप्पू नायक, अंचल अध्यक्ष मदन गर्ग, गुना अंचल महिला सचिव रेनू जैन, अंचल कार्यालय प्रभारी शिशुपाल शर्मा, अंचल महिला अध्यक्ष गौरी गर्ग एवं समिति सदस्य अनीता सिकरवार उपस्थित रहे।

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

श्योपुर। कलेक्टर अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित मेरा युवा भारत द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय रत्रोद में नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जन्मदिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेरा युवा भारत श्योपुर के जिला युवा अधिकारी आशुतोष साहू के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान गांव के वरिष्ठ समाजसेवी बाबूलाल योगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कुलदीप प्रजापति, द्वितीय स्थान के लिए आशीष बैरवा एवं तृतीय स्थान के लिए कु सविता मीणा को पुरस्कार प्रदान किया गया।

अपहृत नाबालिगों की दस्तयाबी के लिये पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सतत सक्रिय है पुलिस

चांचौड़ा पुलिस की लापता नाबालिगों की खोज में सक्रिय एवं प्रभावी कार्यवाही

गुना। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के सशक्त, संवेदनशील एवं मानवीय नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में अपहृत एवं गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी हेतु अत्यंत गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निरंतर प्रभावी कार्यवाहियां की जा रहीं है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुना मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी चांचौड़ा मनोज कुमार झा के पर्यवेक्षण में चांचौड़ा थाना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र से नाबालिग बालिकाओं के लापता होने के प्रकरणों में सक्रिय और प्रभावी कार्यवाही करते हुए अपहृत दो नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित दस्तयाब करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की गई है। गौरतलब है कि चांचौड़ा थाना क्षेत्र से 15 वर्षीय एक नाबालिग बालिका के घर से लापता होने की उसके पिता की ओर से गत दिनांक 8 दिसंबर को चांचौड़ा थाने पर उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिस पर से पुलिस ने अपराध क्रमांक 440/25 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर बालिका की तलाश प्रारंभ की गई।

इसी प्रकार दिनांक 5 जनवरी को चांचौड़ा थाना क्षेत्र से ही 17 वर्षीय एक और नाबालिग किशोरी के लापता होने पर, उसके परिजन की रिपोर्ट पर चांचौड़ा थाने में अपराध

क्रमांक 29/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण कायम कर अपहृता की तलाश शुरू की गई थी। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी द्वारा जिले में नाबालिगों से संबंधित मामलों में शीघ्र, संवेदनशील एवं मानवीय दृष्टिकोन से कार्यवाही किए जाने के निर्देशों के परिपालन में चांचौड़ा थाना पुलिस द्वारा दोंनो ही प्रकरणों में अपहृत नाबालिग बालिकाओं की सरगर्मी से तलाश की गई और इस हेतु अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय किया साथ ही विभिन्न तकनीकी संसाधनों की मदद ली गई जिससे संकलित सूचनाओं के आधार पर सभी संभावित जगहों पर बालिकाओं को खोजने के सघन प्रयास किए गए।

जिसके फलस्वरूप अपराध क्रमांक 440/25 में अपहृत बालिका के राजस्थान के जोधपुर जिले एवं अपराध क्रमांक 29/26 में अपहृत किशोरी के देवास जिले में होने की पुख्ता जानकारियां मिलने पर, चांचौड़ा थाने से पुलिस की अलग-अलग टीमें, एक देवास तो एक राजस्थान के लिए रवाना हुई। जहां पर पुलिस टीमों द्वारा अपनी सूझबूझ और समझ का परिचय देकर एक को राजस्थान के जोधपुर जिले से एवं दूसरी को देवास जिले से सुरक्षित दस्तयाब कर दोंनो को गुना लेकर आये, जहां विधिवत कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

श्री हनुमान दादा की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर शहर में निकली भव्य कलश शोभा यात्रा

रायसेन। नगर के यशवंत नगर एवं अर्जुन नगर कॉलोनी के मध्य सेंटर में पूरन तालाब के पास स्थापित भगवान महादेव शिव मंदिर प्रांगण में श्री राम भक्त हनुमान जी महाराज की मूर्ति स्थापना के लिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन शुरू हो गया है। इस पावन आयोजन को लेकर शुक्रवार को बसंत पंचमी के महापर्व पर नगर के पाटनदेव श्री हनुमान मंदिर से विशाल कलश शोभायात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में माताएं,बहने, सनातन धर्म प्रेमीजन उत्साह के साथ शामिल हुए। कलश शोभा यात्रा का सागर मार्ग पर जगह-जगह नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। शोभायात्रा सागर मार्ग होते हुए यशवंत नगर कॉलोनी स्थित पूरन तालाब शिव मंदिर प्रांगण में पहुंची जहां श्री हनुमान जी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का विधवत कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, इस अवसर पर बड़ी संख्या में सनातन धर्म प्रेमी भाग लेकर धर्म का लाभ उठा रहे हैं।

लोक जागरण का सशक्त अधिष्ठान

लोक भारती

वसुधैव कुटुम्बकम्

(प्रकृति-संस्कृति हित में समर्पित कर्मयोगी, विचारकों का साझा मंच)

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः । सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद दुःखभाग भवेत्।।

प्रभु कृति देती है सब कुछ

प्रभु कृति देती है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें।

सूरज हमें रोशनी देता, हवा नया जीवन देती है।
भूख मिटाने को हम सबकी, धरती पर होती खेती है।

औरों का भी हित हो जिसमें, हम ऐसा कुछ करना सीखें।।
पथिकों को तपती दोपहर में, पेड़ सदा देते हैं छाया।

सुमन सुगन्ध सदा देते है हम सबको फूलों की माला।
त्यागी तरूओं के जीवन से, हम ऐसा कुछ करना सीखें।।

जो अनपढ़ हैं उन्हें पढ़ायें, जो चुप है उनको वाणी दें।
जो पिछड़े है उन्हें बढ़ायें, प्यासी धरती को पानी दें।
हम मेहनत के दीप जलाकर, नया उजाला करना सीखें।।

प्रकृति संस्कृति हितकारी महत्वपूर्ण उद्घोष

- मेरा गांव मेरा देश आत्म निर्भर भारत का यही संदेश
- जो उगाएं वो खाएं, जो खाएं वो उगाएं
- मेरी नदी मेरी गंगा, निर्मल, अविरल रहे सर्वदा
- मेरी नदी मेरी नर्मदा-कल कल बहती रहे सर्वदा
- सूखी धरती करे पुकार, हरियाली से करो श्रृंगार
- जीवन दृष्टि में परिवर्तन लाएं, पर्यावरण के अनुकूल बनाएं
- प्रकृति को प्रदूषणमुक्त बनाएं, मन में ये संकल्प जगाएं
- आएंगे संस्कार जाएंगे विकार, जाएंगे संस्कार आएंगे विकार
- प्रकृति संस्कृति का रक्षण ही सृष्टि का संरक्षण
- हम सब मिलकर करें आव्हान गौ संवर्धन बने जन-जन का अभियान
- गौवंश आधारित कृषि बढ़ायेंगे-गौवंश को बचायेंगे

संपर्क एवं दूरभाष

लोक भारती दैनिक समय जगत कार्यालय परिसर

महाराणा प्रताप नगर जोन-1, भोपाल (म.प्र.)

☎: 0755-4700400 से 4700408 ई-मेल : ashok.samayjagat@gmail.com

बसंत पंचमी पर सामाजिक स्तरों पर भी सैंकड़ों जोड़े सामूहिक विवाह में बने एक दूसरे के हमसफर

जिलेभर में 50 जोड़ों को मिला सीएम कन्या विवाह योजना का लाभ

खरगोन। जिले भर में बसंत पंचमी पर सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं एकल विवाहों की धूम रही। इन आयोजनों के चलते खासी चहल- पहल रही। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत भी इस विशेष मुहूर्त पर सामूहिक विवाह एवं निकाह का आयोजन किया गया। शासन स्तर पर 50 जोड़ों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का लाभ मिला। अहीर यादव का ग्राम मछलगाव में सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें जिले के 46 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। यह आयोजन सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक बना ओर 46 जोड़ों ने 7 वां वचन परिणय सूत्र में बंधने के लिए ओर आठवां वचन एक पेड़ मां के नाम लगाने का संकल्प लिया। जनपद पंचायत भीकनगांव द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सभी नवविवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री

कन्यादान योजना के तहत आर्थिक सहायता और उपहार प्रदान किए गए। इस समारोह में विधायक कसरावद सचिन यादव, यादव समाज के उपाध्यक्ष ताराचंद यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा राजेंद्र यादव, तारकेश्वर यादव, पंचायत इंस्पेक्टर दादूराम यादव, अजनार जी, शिविर प्रभारी, जगदीश पाटीदार सहयोग प्रभारी जनपद पंचायत भीकनगाव सामाजिक न्याय विभाग, तुकाराम यादव, सचिव मछलगाव एवं समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों की उपस्थिति रही। सामाजिक न्याय विभाग उप संचालक धर्मेंद्र गांगले ने बताया कि बसंत पंचमी पर खरगोन में 21 जोड़ों को मुख्यमंत्री निकाह योजना का लाभ मिला। जबकि बड़वाह में 14, जनपद पंचायत भीकनगांव में 23, कसरावद में 13 जोड़ों का मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके तहत 49 हजार रुपए कन्या के खाते में और 6 हजार रुपए प्रति जोड़े की राशि आयोजक निकाय को प्रदाय की जाएगी।

भैंसवामाता में मां बिजासन का परंपरागत ध्वज पूजन कर मंत्री गौतम टेटवाल ने किया मेले का शुभारंभ

पवन पाटीदार, भ्याना। शुक्रवार को बसंत पंचमी के पावन पर्व पर मां बिजासन धाम भैंसवा माताजी में लगने वाले परंपरागत माघ मेले का झंडा चौक पर माता बिजासन के ध्वज का पूजन कर क्षेत्रीय विधायक राज्य मंत्री गौतम टेटवाल द्वारा किया गया उसके उपरांत मेला कैंप पर विधिवत ध्वज फहराया गया। राज्य मंत्री गौतम टेटवाल द्वारा माता बिजासन का पूजन अर्चन कर माता बिजासन से निर्विंध्न मेला सम्पन्न कराने के लिए प्रार्थना की गई। यह मेला रियासती काल से विविध प्रकार के व्यापार के लिए प्रख्यात है, यहां छोटे बड़े हजारों व्यापारी अपनी दुकानें लेकर आते हैं। माघ मेला के अवसर पर मध्यप्रदेश सहित कई प्रदेशों से भक्त माता बिजासन के दर्शन के लिए आते हैं और माता के चरणों में प्रणाम कर अपनी अरदास पूर्ति की कामनाएं करते हैं। मेले में बच्चों के लिए मनोरंजन के लिए छोटे झूले लगाए गए हैं। इसके साथ ही बड़े झूले वयस्क महिला, पुरुषों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। बसंत पंचमी से शुरू हुए मेले का समापन करीब एक माह बाद होगा। पूर्णिमा के पावन अवसर पर रात्रि को माता बिजासन की विशाल पालकी शोभा यात्रा निकलेगी जिसमें करीब एक लाख भक्त शामिल होंगे । इस अवसर पर चावड़ी कैंप पर मंत्री गौतम टेटवाल ने पुलिस विभाग राजस्व विभाग सहित जनपद पंचायत के अधिकारियों को मेले में सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष देवनारायण नागर,पटेल भागीरथ प्रसाद नागर, सरपंच कुलदीप नागर,समाजसेवी राजेश भंडारी सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

श्रद्धा ,आस्था और धर्म भाव को लेकर माता बिजासन पहाड़ी परिक्रमा हुई संपन्न

भ्याना। विश्व विख्यात माता बिजासन धाम भैंसवा माताजी में माघ माह के बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विधिवत शुरू की परिक्रमा यात्रा सम्पन्न हुई। यह धार्मिक आस्था श्रद्धा और धर्म संस्कृति के बढ़ावे के लिए सतत चालीस वर्षों से जारी चैत्र अमावस्या यात्रा की तरह बसंत पंचमी को शुरू की गई है। पूर्व में क्षेत्र की हजारों मातृशक्ति माताओं बहनों के द्वारा यह चैत्र अमावस्या को परिक्रमा की जाती आ रही हे । शुक्र वार को परिक्रमा नवनिर्मित परिक्रमा पथ पर की गई, जिसकी शुरुवात सांसद रोडमल नागर,जन अभियान परिषद प्रदेश उपाध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा मोहन

नागर,पटेल भागीरथ प्रसाद नागर, जनपद अध्यक्ष देवनारायण नागर द्वारा हनुमान मंदिर पर बजरंग बली की पूजा अर्चना कर की गई। उसके बाद विजय नगर पहुंची कहा पर जननायक स्वर्गीय विजय सिंह नागर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। उसके बाद आकार पहाड़ी के परिक्रमा मार्ग पर स्थित भैंसासुर महाराज,गुरु गोरक्ष नाथ अखाड़ा ,सहित विभिन्न देव स्थानों के दर्शन कर यात्रा पुन : हनुमान मंदिर पहुंची और ध्वजा चढ़ाने के बाद यात्रा के विधिवत समापन पर माता बिजासन की पूजा अर्चना की गई और माता के दर्शन उपरांत सभी ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

एकता की झलक दिखी, संस्कृति संगठन की मिली सीख, उमड़ा सकल हिंदू समाज

50 हजार हिन्दू समाज जनों ने ग्रहण की एक साथ महाप्रसादी

समय जगत, मंडीदीप। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बंसत पंचमी के अवसर पर शुक्रवार को नगर में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर में अभूतपूर्व जनसमागम देखने को मिला। सुबह 11 बजे विभिन्न बस्तियों से विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ, जिसमें कीर्तन मंडलियां, के साथ करीब 35 हजार श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। नगर के प्रमुख मार्गों पर रामधुन की गूंज सुनाई देती रही। कार्यक्रम के समर्थन में नागरिकों ने स्वेच्छा से दिनभर नगर बंद रखा और सक्रिय सहभागिता निभाई। नगर को स्वागत द्वारों, झंडों, बैनरों और पोस्टरों से सजाया गया था। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का शुभारंभ गौ-पूजन और तुलसी-पूजन के साथ किया गया। शोभायात्रा के पश्चात दशहरा मैदान में आयोजित मुख्य सम्मेलन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय प्रचारक विमल गुप्ता ने संबोधित किया। संबोधन में कहा कि हिंदू समाज का लक्ष्य केवल अपना उत्थान नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का मित्र बनना और विश्व को सही दिशा देना है। इसके लिए सबसे पहले अपने घर, समाज और आचरण को ठीक करना होगा। जब हम जाति-भेद और छुआछूत छोड़ कर स्वयं खड़े होंगे, तभी दुनिया को संभाल सकेंगे। इसलिए कि जो स्वयं खड़ा नहीं होगा, वह गिरे हुए को उठाने की क्षमता भी नहीं रखेगा। आज पूरी दुनिया अनैतिकता, अधर्म, अन्याय, युद्ध, जल और पर्यावरण संकट से जूझ रही है। ऐसी स्थिति में हिंदू समाज का दायित्व बनता है कि वह धर्म को आधार बनाकर मानवता के रक्षक के रूप में खड़ा हो। इतिहास का स्मरण कराते हुए उन्होने ने कहा कि दुनिया के कई देशों ने शक्ति के बल पर शोषण, दमन और गुलामी का रास्ता अपनाया, जबकि भारत ने कभी ऐसा नहीं किया।

भारत के राजाओं, संतों, ऋषियों और महापुरुषों ने मानवता, करुणा व समरसता का मार्ग दिखाया। यही कारण है कि आज भारत का कर्तव्य है कि वह विश्व गुरु बने, लेकिन शोषणकारी नहीं बल्कि मार्गदर्शक के रूप में। विश्व गुरु बनने का अर्थ स्पष्ट करते हुए उन्होने ने कहा कि इसका अर्थ सत्ता या प्रभुत्व नहीं, बल्कि हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ मूल्यों को जीवन में उतारना है। यदि हिंदू भाव को भूल गए, तो संकट निश्चित हैं। उन्होंने चेताया कि जाति, मजहब, भाषा और राजनीति के नाम पर आपसी संघर्ष ही भारत की कमजोरी रही है, जिसका लाभ बाहरी शक्तियों ने उठाया।

एसआईआर प्रक्रिया में कांग्रेस ने निर्वाचन अधिकारी से की एफआईआर की मांग

सिलवानी। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान भारतीय जनता पार्टी द्वारा कथित रूप से वैध मतदाताओं के नाम कटवाने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। शुक्रवार को सिलवानी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजय पटेल की अगुवाई में कांग्रेस पदाधिकारियों ने नायब तहसीलदार गौरव शुक्ला को अनुविभागीय अधिकारी एवं सिलवानी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 143 के निर्वाचन अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आपत्तियों को निरस्त करने और दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि निर्वाचन आयोग द्वारा मध्य प्रदेश में प्रकाशित की गई मतदाता सूचियों पर दावा आपत्ति की प्रक्रिया के अंतर्गत नियम स्पष्ट हैं जिसके अनुसार बीएलए टू अधिकतम पांच मतदाताओं पर ही उचित साक्ष्य और शपथ पत्र के साथ आपत्ति दर्ज कर सकता है।

इसके बावजूद भाजपा के बीएलए द्वारा फॉर्म नंबर-7 के प्रिंटेड फॉर्म भरकर 100 से 200 मतदाताओं पर एक साथ आपत्तियां लगाई जा रही हैं और नाम कटवायें जा रहे जो नियमों का खुला उल्लंघन है।कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यालय के माध्यम से मतदाताओं की सूची निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को भेजी जा रही है। आपत्तियां लगाने वाले कई व्यक्ति ना तो संबंधित बूथ के हैं और ना ही अधिकृत, जबकि कुछ मामलों में तो दूसरे गांव और दूसरी विधानसभा क्षेत्र के लोगों द्वारा आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस समर्थित मतदाताओं के नाम कटवाने के उद्देश्य से एक सुनियोजित षड़यंत्र रचा जा रहा है।

इटारसी में श्रद्धा व उत्साह से मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

इटारसी। नगर कांग्रेस कमेटी इटारसी द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पुराने बस स्टैंड स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण किया तथा जय हिन्द और सुभाष चंद्र बोस अमर रहें के नारे लगाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन देशभक्ति, त्याग और साहस की मिसाल है। उन्होंने युवाओं से नेताजी के विचारों को आत्मसात कर देश सेवा में आगे आने का आव्हान किया। वहीं मीडिया प्रभारी चंदू दुबे ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आज़ादी की लड़ाई में जो योगदान दिया है, उसे देश कभी भुला नहीं सकता। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से खेल प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष रामशंकर सोनकर, मंडलम अध्यक्ष सोनू बकोरिया, अनूप गाचले, देवी मालवीय, अर्जुन कुचबदिया कृष्णा चौधरी, राजेंद्र गोस्वामी, मनीष सोनी, फारुख शेख, गुंटू वर्मा, मुकेश चौधरी, पिंकी शर्मा, अमित परदेशी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

22 हितग्राहियों को ऋण राशि के स्वीकृत पत्र किए वितरित

समय जगत, जीरापुर। भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री स्व निधि योजना अंतर्गत पंजीकृत 1 लाख हितग्राहियों को ऋण स्वीकृत राशि उनके खाते में अंतरित की गई और रहरी पटरी वाले व्यवसायियों के लिए क्रेडिट कार्ड योजना का भी शुभारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम का लाइव प्रसारण नगर परिषद जीरापुर कार्यालय के सभा कक्ष में नगर परिषद के अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में हितग्राहियों को दिखाया गया और निकाय क्षेत्र के 22 हितग्राहियों को ऋण राशि 960000 के ऋण स्वीकृत पत्र वितरित किए गए और उपस्थित हितग्राहियों को क्रेडिट कार्ड योजना के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उनको शासन से मिलने वाली ऋण राशि का अपने धंधे रोजगार में सदुपयोग कर समय पर ऋण किस्तों का भुगतान करने की समझाइए दी गई।

सार-समाचार

राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम किया गया आयोजित

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग आर. एस. बघेल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 22 जनवरी 2026 को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बालिकाओं के लिए विशेष करियर मार्गदर्शन, कौशल विकास एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन वन स्टॉप सेंटर, झाबुआ में किया गया। कार्यक्रम में जिले की 70 बालिकाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान झाबुआ आई.टी.आई. से श्रीमती पूनम चौरसिया द्वारा बालिकाओं को शिक्षा, डिजिटल कौशल, शासकीय छात्रवृत्ति योजनाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, कौशल विकास से जुड़े स्थानीय संसाधनों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने प्रेरणादायी महिलाओं एवं युवतियों के अनुभव साझा करते हुए बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर की परामर्शदाता सुश्री रानू राठौर द्वारा बाल विवाह की रोकथाम संबंधी जानकारी प्रदान की गई एवं वन स्टॉप सेंटर की योजनाओं एवं सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में सहायक संचालक श्रीमती वर्षा चौहान, आई.टी.आई. झाबुआ से श्रीमती पूनम चौरसिया, वन स्टॉप सेंटर प्रशासक श्रीमती लीला परमार सहित महिला एवं बाल विकास विभाग का समस्त स्टाफउपस्थित रहे।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की दिलाई गई शपथ

झाबुआ। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी के पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान द्वारा प्रातः 11 बजे अधिकारी और कर्मचारियों को लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए शपथ दिलाई गई कि अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भास्कर गाचले, उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग पंकज सांवले, जिला कोषालय अधिकारी सुश्री वैशाली सिसोदिया एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छ जल अभियान का हो रहा प्रभावी संचालन

समय जगत, बड़वाह। मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्वच्छ जल अभियान 10 जनवरी से प्रारंभ किया गया है। इसी के तारतम्य में नगर पालिका बड़वाह द्वारा जल सुरक्षा, जल संरक्षण एवं जल सुनवाई हेतु कार्य किया जा रहा है । मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुलदीप किंशुक ने बताया कि सभी वार्डों में पानी के नमूने लेकर पानी का परीक्षण किया जा रहा है। स्वच्छ जल के लिए नागरिकों को मुनादी कर प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि वह स्वयं पानी की गुणवत्ता पर ध्यान दें और दूषित पानी आने पर समय पर शिकायत दर्ज कर सकें। सीआईएसएफ कैंपस स्थित संपवेल और ओवरहेड टैंक की साफ-सफाई का कार्य कराया गया इसके साथ ही श्री कंवर कॉलोनी स्थित कुएं की साफ सफाई का कार्य कराया गया । लीकेज की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित निराकरण किया जा रहा है। स्वच्छ जल अभियान अंतर्गत प्रति मंगलवार को जल सुनवाई का आयोजन नगर पालिका कार्यालय में किया जा रहा है, जल शाखा के कर्मचारी एवं प्रभारी के नाम सार्वजनिक कराए गए हैं ।

गैर समझौतावादी धारा के महान क्रांतिकारी नेता सुभाष चंद्र बोस की मनाई गई जयंती

समय जगत आरोन। नगर में 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर भगत सिंह चौक पर पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें क्रांतिकारी पार्टी एस. यू.सी.आई .सी के सियाराम लोकल कमेटी के सदस्य महेन्द्र नायक ने कहा कि देश के आजादी आंदोलन की गैर-समझौतावादी धारा के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस का नाम ज़हन में आते ही मन एक गहरी श्रद्धा से भर जाता है। उनके अदम्य साहस, प्रखर राष्ट्रवाद और देशभक्ति के आगे आज भी हर कोई नतमस्तक है।

तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा सुनकर आज भी लगता है कि दुनिया के किसी कोने से उनके द्वारा यह आह्वान किया जाएगा और आज भी लाखों छात्र नौजवान अपना सर्वस्व न्यौछावर करने को तैयार हो जाएंगे, लेकिन बहुत ही अफसोस की बात है कि आजादी के इतने वर्षों में देश के चिंताजनक हालातों को देखकर भी हम नेताजी सुभाष के स्वतंत्रता, देशभक्ति, राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता संबंधी विचारों के मर्म को नहीं समझ पाए हैं, या ये कहें कि शासक वर्ग ने जानबूझकर हमें उन विचारों से दूर रखा। शायद इसलिए ही हमारी श्रद्धा उनके नाम और तस्वीर के प्रति ही सिमटकर रह गयी। अगर हम उनके जीवन के गैर समझौतावादी अथक संघर्षों को समझ पाते तो जान पाते कि उनके पीड़ादायक कठोर संघर्ष के पीछे आम शोषित पीड़ित जनता के प्रति असीम प्रेम ही एकमात्र प्रेरक बल था। आगे कहा कि जब वो देखते थे कि बचपन में अपने घर के सामने बैठी भीख मांगती बूढ़ी भिखारिन को देख कर अपना लंच बॉक्स उसे देने वाले सुभाष ने बड़े होकर ऐसी करोड़ों करोड़ माताओं के दुख तकलीफों को दूर करने का संकल्प लिया था। बाद में उन्होंने कहा भी कि बचपन में मैं अंग्रेजों को देश से बाहर निकालना ही अपना काम समझता था लेकिन बड़े होने पर मैंने पाया कि इस देश में कांफी समस्याएं हैं इसलिए वह एक ऐसा समाज बनाने का सपना लेकर आगे बढ़े जिसमें एक इंसान का दूसरे इंसान पर शोषण खत्म हो, यह आज जो महिला बच्चों पर अपराध बढ़ रहे हैं, नौजवान युवा नशे में धकेला जा रहा है, अन्य धर्म, जात पात , ऊंच - नीच, के नाम पर भेद भाव खत्म हो। उक्त अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं नागरिक जन उपस्थित रहे।

अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में सफलता हासिल करें छात्राएं : ओम प्रकाश शर्मा

सुठालिया। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 12 वीं की छात्राओं का विदाई समारोह का आयोजन किया गया ! कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि ओम प्रकाश शर्मा, विशेष अतिथि धूलजी भिलाला एवं संकुल प्राचार्य दिनेश कुमार धनगर द्वारा विद्या की देवी मां शारदे एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण , पूजन व सरस्वती वंदना के साथ हुई। कक्षा 11वीं की छात्राओं ने कक्षा 12 वीं की छात्राओं को पुरस्कार देकर प्रतीकात्मक रूप से उनको विदाई दी ! कक्षा 12वीं की छात्राओं ने विद्यालय से प्राप्त अनुभव, शिक्षा एवं अनुशासन के बारे में बताया !

मुख्य अतिथि ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि सभी छात्राएं अच्छे से शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन में सफलता प्राप्त करें। विशेष अतिथि धूलजी भिलाला ने बताया कि छात्राओं को अनुशासन में रहते हुएं शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए ,जिससे वें आगे उच्चतम सफलता प्राप्त कर सकें। संकुल प्राचार्य दिनेश कुमार धनगर ने छात्राओं से कहा कि कोई भी छात्रा शिक्षित हुए बिना लोक जीवन के लिए उपयोगी नहीं होती है। शिक्षा और दीक्षा एक दूसरे के पूरक है। आप दीक्षांत को शिक्षांत नहीं समझे । विद्यार्थी शिक्षण परिणाम को विजिटिंग कार्ड ना बनाएं।

शिक्षा व्यक्ति के जीवन को प्रकाशवान बनाती है। आपके अंदर जो ज्ञान अर्जन की अभिलाषा है, उसे सदैव जीवंत बनाए रखें। विद्यालय में पूरे वर्ष अच्छे कार्य करने वाली,अनुशासित रहने वाली और अच्छे नंबर प्राप्त करने वाली छात्राओं को अजब सिंह सेंगर, सभी अतिथि जनों एवं विद्यालय परिवार के स्टाफ सदस्यों द्वारा प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व संकुल प्राचार्य ओम प्रकाश शर्मा, कार्यक्रम के विशेष अतिथि पूर्व संकुल प्राचार्य धूलजी भिलाला रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकुल प्राचार्य दिनेश कुमार धनगर ने की । कार्यक्रम की रूपरेखा सभी महिलाएं स्टाफ शिक्षिकाओं ने बनाई।

मंच संचालन छात्राओं द्वारा किया गया संचालन सानिया वर्मा और लाड वर्मा ने संयुक्त रूप से संचालन किया। जिसमें सभी छात्रों की भागीदारी रही आभार व्यक्त कुमारी दीक्षा साहू ने किया। कक्षा ग्यारहवीं की सभी छात्राओं ने 12वीं कक्षा की सभी छात्रों को विदाई दी । इस अवसर पर विद्यालय परिवार के समस्त स्टाफ एवं छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष नारायण मुकाती के मनोनयन की प्रशासन को दी जानकारी

प्रशासन और सनातन समाज के बीच सेतु का कार्य करेगी हिंदू उत्सव समिति : सुधीर पाठक

समय जगत, आष्टा। गुरुवार 22 जनवरी को हिंदू उत्सव प्रबंध समिति का एक प्रतिनिधि मंडल समिति के प्रमुख पारसमल सिंघवी एवं हिंदू उत्सव समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष नारायण मुकाती उर्फ भूरु भाई के नेतृत्व में तहसील कार्यालय पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम नितिन कुमार टाले से सौजन्य भेंट कर हिंदू उत्सव समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष के मनोनयन की औपचारिक जानकारी प्रशासन को दी। इस अवसर पर समिति प्रमुख पारसमल सिंघवी ने बताया कि लगभग दो माह पूर्व मानस भवन में हिंदू उत्सव समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में समिति के पुनर्गठन, अध्यक्ष की नियुक्ति तथा नियमावली निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई थी। प्रबंध समिति ने अनेक बैठक करने के पश्चात सर्वसम्मति से नारायण मुकाती उर्फ भूरु को हिंदू उत्सव समिति का अध्यक्ष बनाए जाने का निर्णय लिया गया था। सभी सदस्यों की सहमति एवं विचार-विमर्श के पश्चात श्री मुकाती को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। यह मनोनयन एक वर्ष की अवधि के लिए किया गया है।

समिति के गठन के साथ ही हिंदू उत्सवों के सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण एवं मर्यादित संचालन के उद्देश्य से एक नियमावली भी तैयार की गई है। इस नियमावली का पालन समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के लिए अनिवार्य रहेगा, ताकि नगर में आयोजित होने वाले सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें। समिति के वरिष्ठ सदस्य सुधीर पाठक ने एसडीएम नितिन कुमार टाले, तहसीलदार रामलाल पगारे एवं एसडीओपी आकाश अमलकर को अवगत कराया कि नवनियुक्त अध्यक्ष शीघ्र ही अपनी कार्यकारिणी समिति का गठन करेंगे। एसडीएम नितिन कुमार टाले ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि हिंदू उत्सव समिति अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करेगी। वहीं एसडीओपी आकाश अमलकर ने कहा कि धार्मिक त्योहारों सहित अन्य आयोजनों में पुलिस प्रशासन हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहता है और समिति के सहयोग से व्यवस्थाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी। इस अवसर पर समिति प्रमुख पारसमल सिंघवी, सुधीर पाठक, शेषनारायण मुकाती, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, नरेंद्र गंगवाल, राजेंद्र जायसवाल, संजय सोनी बंटू, पंकज यादव, उमेश शर्मा, रुपेश राठौर, श्रीराम मंदिर समिति के अध्यक्ष गोविंद सोनी, शीतला माता मंदिर समिति के अध्यक्ष दिनेश सोनी, अनिल श्रीवास्तव, राजेंद्र सोलंकी, बी.एस. वर्मा, ज्ञानसिंह ठाकुर एडवोकेट,रवि सोनी, गजेंद्र मालवीय, दिलीप मालवीय सहित अनेक गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा एवरेस्ट प्रेस ई-49/8 औखला, इंडस्ट्रीयल-एरिया प्लॉट-2 प्रींटिंग प्रेस से मुद्रित एवं बी-125 सादतपुर कालोनी दिल्ली-110094 से प्रकाशित। RNI NO. DELHIN/2005/14553, **प्रधान संपादक:** अशोक त्रिपाठी * **संपादक** अनिल श्रीवास्तव * **समाचार संपादक** सौरभ वार्ष्णेय

दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्पलेक्स 203 द्वितीय तल मुख्य मार्ग शकरपुर दिल्ली- 01142173537, 98995897700, **भोपाल कार्यालय** - 9, रायल हाउस, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-1, भोपाल। **फोन :** 0755-4273868, 4203479 **फैक्स :** 4094417 **ई-मेल** dainiksamayjagat.delhi@gmail.com *(समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)